

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 16

कॉपीराइट © 2012, टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम, व्याख्यान संख्या 16, बिलाम और संख्याओं की पुस्तक और वाचा नवीनीकरण और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में भूमि अवधारणाओं पर हैं।

ए. प्रश्नोत्तरी पूर्वावलोकन [0:00-2:28]

अरे लड़की, चलो शुरू करें। मैं इन उपस्थिति पत्रों को पास करने जा रहा हूँ। गुरुवार के लिए आप लोग क्या काम कर रहे हैं? न्यायाधीशों और रूथ की पुस्तक. *हमारा कोई पिता इब्राहीम नहीं है*; एक लेख और कुछ स्मृति छंद हैं. लेख, स्मृति छंद, न्यायाधीश और रूथ, कहानियां और वह सब जानें। तो वह गुरुवार को आएगा।

आज, हम संख्याओं की पुस्तक को समाप्त करने जा रहे हैं और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में प्रवेश करेंगे, और फिर हमारे पास व्यवस्थाविवरण पर एक और कक्षा होगी। मुझे लगता है कि हम यहीं हैं. ओल्ड टेस्टामेंट कक्षा में आपका स्वागत है, और आइए प्रार्थना करें, और फिर हम इसमें शामिल होंगे।

पिता, हमारे प्रति आपकी भलाई के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं और विशेष रूप से पतझड़ में न्यू इंग्लैंड में, बाहर की सुंदरता अद्भुत है। पिता, आपने हमें पत्तों के अनेक रंगों को बदलते हुए देखने के लिए आँखें दी हैं। आपने हमें पतझड़ की शानदार गंध, और गिरती सुइयों को सूंघने के लिए नाक, और सुनने के लिए कान और साझा करने के लिए इस परिसर में दोस्ती दी है। हम आपकी कई अच्छाइयों के लिए धन्यवाद करते हैं क्योंकि आपकी कृपा हर दिन हम पर बनी रहती है। हम आपको इस बात के लिए धन्यवाद देते हैं कि आपने इस्राएलियों पर दया की और उन्हें अनुशासित किया, लेकिन फिर भी उन्हें अपने निष्ठावान प्रेम से अपने पास लाया। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप इज़राइल के महान चरवाहे हैं, और आप अपनी भेड़ों से प्यार करते हैं और हम भी आपकी भेड़ें हैं, पिता,

आपके चरागाह की भेड़ें। हम मसीह, हमारे महान चरवाहे, अच्छे चरवाहे के लिए आपको धन्यवाद देते हैं और उन्हीं के नाम पर हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

ठीक है, चलो अंदर कूदें। हम इसके माध्यम से उड़ान भरने जा रहे हैं क्योंकि दूसरी कक्षा हमसे थोड़ा आगे है। इसलिए हम इस पर कुछ और तेजी से आगे बढ़ने जा रहे हैं।

बी. संख्याओं का पाठ [2:29-7:48]

पिछली बार हम संख्याओं की पुस्तक के बारे में बात कर रहे थे और हम स्वतंत्र इच्छा/पूर्वनियति बहस पर काम कर रहे थे कि क्या ईश्वर अपना मन बदल सकता है और क्या उसने अपना मन बदल दिया जब उसने कहा कि वह इज़राइल को नष्ट करने जा रहा था, मूसा प्रार्थना करता है और फिर 8 छंद बाद में, वह उन्हें नष्ट नहीं करता जैसा कि उसने शुरुआत में कहा था। संख्याओं की पुस्तक में कुछ ऐसे पाठ हैं जिन्हें मैं पढ़ना चाहता हूँ। संख्याओं की पुस्तक से मैं यही देखता हूँ: कि एक व्यक्ति फर्क ला सकता है। मूसा ने प्रार्थना की और राष्ट्र बच गया। तो एक व्यक्ति फर्क ला सकता है। मूसा लोगों के लिए बदलाव लाता है।

प्रार्थना से चीज़ें बदल जाती हैं। प्रार्थना मायने रखती है। मैं प्रार्थना को केवल उस चीज़ के रूप में नहीं देखता जो हम ईश्वर ने हमें जो आदेश दिया है उसका पालन करने के लिए करते हैं ताकि हम केवल उसका पालन करने के लिए प्रार्थना करें। लेकिन नहीं, हम प्रार्थना करते हैं क्योंकि हमारे दिल में बातें हैं। हम चाहते हैं कि भगवान हमारे साथ एक निश्चित तरीके से बातचीत करें। मूसा ने प्रार्थना की और परमेश्वर का क्रोध शांत हो गया और परमेश्वर नरम पड़ गया। *नाहम*--वह जो करने जा रहा था, उससे वह पीछे हट गया। तो यह महत्वपूर्ण है।

संख्याओं की पुस्तक में, आपको इज़राइल की अविश्वासिता (इज़राइल हमेशा मिस्र वापस जाना चाहता है, इज़राइल हमेशा ईश्वर से शिकायत करता रहता है) और ईश्वर जो वफादार है, के बीच एक अंतर मिला है। इसलिए परमेश्वर को विश्वासयोग्य दिखाया गया है और इस्राएल को अविश्वासी दिखाया गया है। इस्राएल की अविश्वासिता की तुलना परमेश्वर की विश्वासयोग्यता से की जाती है। संख्याओं की पुस्तक में यह एक और बड़ा विषय है।

क्षमा और फिर भी परिणाम: हम संख्याओं की पुस्तक में हैं और भगवान कहते हैं, "मैंने उन्हें माफ कर दिया है, मूसा, जैसा तुमने मुझसे करने के लिए कहा था।" और फिर भी इसके परिणाम अभी भी थे। यह एक दिलचस्प बात है, माफ़ी फिर भी इसके परिणाम हो सकते हैं—जंगल में 40 साल।

यह उन प्रश्नों में से एक का उत्तर है जिनसे हम अंततः जूझ रहे थे: क्या ईश्वर गतिशील है या स्थिर? मैंने संख्याओं की पुस्तक और पुराने नियम में अन्यत्र यह सुझाव देने का प्रयास किया कि ईश्वर गतिशील है, स्थिर नहीं। वह अपने लोगों के साथ बातचीत करता है, वह आगे-पीछे जाता है और वह मूसा की प्रार्थना सुनता है और उसके साथ बातचीत करता है। वह मूसा और लोगों के साथ संबंधपरक रूप से संवादात्मक है। भगवान जवाब देते हैं (मुझे लगता है कि यह इसे कहने का एक और तरीका है)। वह सिर्फ आरंभकर्ता नहीं है जो कहता है, "मैं इसे इस तरह से करने जा रहा हूँ, क्योंकि मैंने इसे इस तरह से करने का फैसला किया है, और इस तरह से मैं इसे करने जा रहा हूँ।" वह उनकी बातचीत का जवाब देता है।

शिकायत बनाम विलाप: हमने शिकायत और विलाप के बीच अंतर किया है। आइए मैं इस भेद को फिर से स्पष्ट करूँ। मुझे यकीन नहीं है कि पहली बार मैं इस पर वास्तव में स्पष्ट था। शिकायत और विलाप बिल्कुल एक जैसे शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। तुम्हें पता है, "मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया?" "हे प्रभु, तुम मुझे सदैव के लिये कब तक भूलोगे?" वे बहुत कड़े शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन शिकायत ईश्वर से दूर एक कदम है जो मूल रूप से कहता है, "भगवान, तुम मुझे कब तक भूलोगे? मैं यहाँ से बाहर हूँ, मैं तुम्हें अब और नहीं चाहता।" तो शिकायत उन शब्दों की अभिव्यक्ति के साथ भगवान से दूर एक कदम है। विलाप भगवान के साथ एक कुशती है, जिसमें कहा जाता है, "भगवान, कृपया...", "मेरे भगवान, मेरे भगवान, आपने मुझे क्यों छोड़ दिया?" ("मुझे मत छोड़ो!")। तो विलाप ईश्वर की ओर एक गति है, एक शिकायत ईश्वर से दूर एक गति है, अक्सर उन्हीं शब्दों का प्रयोग किया जाता है। वे बहुत कड़े शब्द हैं, लेकिन एक दूर की ओर और दूसरा एक ओर की ओर।

ये कुछ बड़े विषय हैं जिन्हें मैं संख्याओं की पुस्तक से देखता हूँ और यही कारण है कि मुझे संख्याओं की पुस्तक पसंद है। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही धार्मिक पुस्तक है और इसमें हमें सिखाने के लिए बहुत कुछ है। अब यहाँ संख्याओं की पुस्तक में से मेरी पसंदीदा में से एक है: यह एक लाल बछिया है। अब आप कहते हैं, " हिल्डेब्रांट, वह बछिया नहीं है।" ऐसा माना जा रहा है कि यह लाल बछिया की तस्वीर है। क्षमा करें, यह सबसे अच्छा है जो मैं कर सकता था। यह एक लाल गाय है, लेकिन यह टेक्सास की है। अब आप कहते हैं, "आप इन लाल बछिया वाली चीजों पर क्यों उतरते हैं?" इज़राइल, जब वे किसी चीज को शुद्ध करना चाहते हैं, तो वे उन चीजों से शुरुआत करते हैं जिन्हें साफ नहीं किया जाता है। वे सामान कैसे साफ़ करते हैं? तू जल से शुद्ध करता है, और तू लहू से शुद्ध करता है। उदाहरण के लिए, यदि यहूदी तीसरा मंदिर बनाने जा रहे हैं (वह संभवतः तृतीय विश्व युद्ध होगा क्योंकि उस मंच के शीर्ष पर एक मस्जिद है या चट्टान के गुंबद के शीर्ष पर एक मंदिर है), लेकिन यदि यहूदी एक मंदिर का निर्माण करते हैं मंदिर, क्या उन्हें वहाँ मौजूद उपकरणों को शुद्ध करने में सक्षम होना चाहिए? उनके पास अभी साढ़े सात फुट ऊंची सोने की मेनोराह है, मैंने इसे अपनी आंखों से देखा है। तीसरे मंदिर के लिए साढ़े सात फुट ऊंचा गुड मेनोराह तैयार है। क्या होता है? रब्बियों ने इसे मंजूरी दे दी है, लेकिन क्या इसे लाल बछिया के खून से शुद्ध किया जाना चाहिए? क्या आप जानते हैं कि इज़राइल में, यह संख्या, अध्याय 19 से सामने आ रहा है, अब उनके पास एक लाल बछिया है? इसराइल में अब उनके पास एक लाल बछिया है; यह गलील में है। क्या यहूदी लोगों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि उनके पास लाल बछिया हो?

सी. बालाम: परिचय [7:49-13:22]

अब बालाम--मुझे इस लड़के का नाम पसंद है। यह एक प्रकार से अशुभ है। मोआबियों ने इस बिलाम को किराये पर क्यों लिया? यह संख्या अध्याय 22-24 है और ये कुछ प्रसिद्ध अंश हैं। आपने संभवतः बालाम के बारे में पहले सुना होगा। मोआबी बिलाम को किराये पर क्यों लेना चाहते थे? ओग और सीहोन का इससे क्या लेना-देना है ? ओग - अपने बच्चे का नाम रखने की कल्पना करें, बच्चा स्कूल जाता है, "हाय, मैं ओग हूँ।" वह

एमोरियों का राजा था और सीहोन भी । इज़राइल ने इन दोनों राजाओं को मिटा दिया। इसका बिलाम से क्या लेना-देना है? यदि आप भूगोल नहीं जानते तो कहानी वास्तव में अच्छी तरह से नहीं जुड़ती। ओग और सीहोन एमोरी राजा थे, जिन्हें इस्राएल ने नष्ट कर दिया। बिलाम को मेसोपोटामिया से नीचे बुलाए जाने से इसका क्या लेना-देना है?

बालाक (बालाक मोआब का राजा था) ने पेशेवर श्राप देने वाले बालाम को पाने के लिए मेसोपोटामिया क्यों भेजा? क्या आप जानते हैं कि शाप देने वाला, पेशेवर शाप देने वाला क्या होता है? एक कर्सर: यह आपकी स्क्रीन पर झपकाता है और ऊपर और नीचे जाता है। नहीं, यह वह व्यक्ति है जिसे वास्तव में शाप देने के लिए भुगतान किया जाता है। वह एक भविष्यवक्ता था जिसे लोगों को शाप देने के लिए भुगतान किया गया था। उन्होंने मेसोपोटामिया क्यों भेजा? क्या राजा के पास अपने पेशेवर श्राप देने वाले नहीं थे? उन्होंने मेसोपोटामिया क्यों भेजा? मैं उस प्रश्न को देखना चाहता हूँ. क्या इस्राएली ही एकमात्र ऐसे लोग थे जो यहोवा को जानते थे? इस्राएली अकेले नहीं थे जो यहोवा को अपने परमेश्वर के रूप में जानते थे। हम मलिकिसिदक को पहले ही देख चुके हैं, और मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि बिलाम यहोवा परमेश्वर को जानता था। बिलाम यहोवा परमेश्वर को जानता है। वह मेसोपोटामिया का एक विदेशी भविष्यवक्ता है, और वह यहोवा (यहोवा) को जानता है।

इतना कहने के बाद, यह नक्शा है। इस मानचित्र में क्या है? यहाँ मोआब देश है. यह एक घाटी है; यह लगभग 3,000 फीट गहरा है। इसका उच्चारण लगभग ग्रांड कैन्यन जितना ही है। आप ऊपर चलते हैं और यह लगभग 3,000 फीट तक सीधा नीचे है। यह 3,000 फुट की घाटी है जो एक सीमा है। वाडी के बीच अर्नोन और वाडी ज़ेरेद मोआब का देश है। जेरेड के नीचे कौन है ? ज़ेरेद के नीचे एदोम है। एदोम किसका वंशज है? एसाव के वंशज. एसाव किस रंग का है? लाल। एदोम में चट्टानें किस रंग की हैं? लाल। यहां पेट्रा नाम की एक जगह है--पेट्रा की लाल चट्टानें। एसाव के वंशज हैं।

मोआब यहाँ है. मोआब “अब्बा की ओर से” है। मोआब किसके वंशज हैं? क्या किसी को लूत याद है? क्या आपको गुफा में लूत और उसकी बेटियाँ याद हैं? उन्होंने मोआब को उत्पन्न किया—“पिता से।” वैसे, आप लोग इस सप्ताह एक मोआबी महिला के बारे में

पढ़ रहे हैं। उसका नाम क्या है? रूथ. वह यहीं होता है. रूथ एक मोआबी है। यह लूत के वंशजों में से है। यह एसाव है और यह लूत है। अम्मोन लूत के वंशजों में से दूसरा है। मोआब और अम्मोन, क्या वे इसराइल से संबंधित हैं? मोआब और अम्मोन (ये लूत के वंशज हैं) इज़राइल से संबंधित हैं।

क्या परमेश्वर ने इस्राएल को मोआबियों और अम्मोनियों पर आक्रमण करने की अनुमति दी थी? नहीं उसने नहीं। इस्राएली यहाँ एदोम के चारों ओर आते हैं और वे यहाँ राजा के राजमार्ग पर जाते हैं और वे मोआब पर आक्रमण नहीं कर सकते और वे अम्मोन पर आक्रमण नहीं कर सकते। वे उनके भाई हैं. वे यहाँ आये, लेकिन यहाँ कौन है? एमोराइट्स. एमोरी पश्चिम से हैं, इसलिए इस्राएलियों ने यहां घुसकर एमोरी के राजा सीहोन और ओग को हरा दिया। वे यहीं इस क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लेते हैं. मूसा कहाँ मरने वाला है? मूसा यहीं माउंट नीबो पर मरने वाला है। क्या किसी को याद है कि वह पहाड़ पर कैसे चढ़ता है और भगवान उसे माउंट नेबो से इज़राइल की भूमि दिखाते हैं। वह ज़मीन पर नज़र रखता है। वैसे, जेरिको यहीं है। इसलिए वे पार जा रहे हैं और जेरिको को ले लेंगे। मूसा यहीं मर जाएगा. तब इस्राएल सीहोन के इस देश में बस गया। मोआब का राजा इस्राएल से क्यों डरता है? क्योंकि उन्होंने सीहोन और ओग को जीत लिया है और मोआबियों को डर है कि इस्राएली इस रास्ते से दक्षिण की ओर आ रहे हैं। इसलिये मोआब का राजा चाहता है कि बिलाम इस्राएल को शाप दे। बालाम यहाँ आने वाला है और वह इस्राएल को श्राप देने वाला है। वह मेसोपोटामिया से आने वाला है, वह मोआब आने वाला है, और मोआब उसे इस्राएल को श्राप देने के लिए भुगतान करने वाला है। इज़राइल यहीं बस जाएगा. बालाम के साथ इस स्थिति

का भूगोल कुछ ऐसा ही है। **डी. बालाम का चरित्र: क्या वह अच्छा है या बुरा?** [13:23-20:54]

अब इस लड़के बालाम के साथ सबसे प्रसिद्ध कहानी क्या है? बिलाम अच्छा है या बुरा? दरअसल गिनती की किताब में बिलाम अच्छा था या बुरा? संख्याओं की पुस्तक में मैं आपको सुझाव देना चाहता हूँ कि वह बहुत अच्छा है। असल में वह चार दैवज्ञ देता है। क्या

बालाम ईश्वर की ओर से चार बार भविष्यवाणी करता है और वही कहता है जो ईश्वर ने उसे भविष्यवाणी करने के लिए कहा था? हाँ, वह अच्छा है लेकिन फिर आप में से कुछ ने कहा, "नहीं, वह बुरा है।" उत्तर यह है कि बिलाम पुराने नियम का यहूदा है। अब जैसे, यहूदा अच्छा था या बुरा? ठीक है, आप कह सकते हैं, "यहूदा ने यीशु को धोखा दिया। यहूदा बुरा था।" लेकिन एक मिनट रुकिए, इससे पहले कि यहूदा बुरा हो जाए, क्या यहूदा अच्छा था? क्या यहूदा उन बारह प्रेरितों में से एक था जिन्हें यीशु ने उसके नाम पर चमत्कार करने के लिए भेजा था? मैथ्यू 10 में, यहूदा को बाहर भेजा गया और उसने यीशु मसीह के सुसमाचार की घोषणा की और यीशु के नाम पर चमत्कार किया। जैसे, क्या आपको याद है जब यीशु ने कहा था, "तुम में से एक मुझे पकड़वाएगा"? उन सभी ने चारों ओर देखा और क्या उनमें से किसी को यहूदा पर संदेह हुआ? नहीं उन्होंने नहीं किया। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि यहूदा बारह प्रेरितों में से एक था और फिर वह बुरा हो गया। बालाम उससे बहुत मिलता-जुलता है। वह अच्छा है और फिर बुरा हो जाता है। हम उनमें वह बदलाव देखने जा रहे हैं।' उन्हें संत और पापी दोनों के रूप में चित्रित किया गया है। पुराने नियम में उसे काफी हद तक बहुत अच्छे के रूप में चित्रित किया गया है।

आइए मैं आपको कुछ कथन पढ़ता हूँ जो बिलाम ने संख्या, अध्याय 22 में दिए हैं। संख्या 22:8 यह कहता है, "'यहां रात बिताओ,' बिलाम ने उनसे कहा, 'और मैं तुम्हें वह उत्तर वापस लाऊंगा जो प्रभु मुझे देगा।' " श्लोक 13 से नीचे, "अगली सुबह बिलाम उठा और बालाक के हाकिमों से कहा, 'अपने देश लौट जाओ, क्योंकि यहोवा ने मुझे तुम्हारे साथ जाने से मना कर दिया है।'" क्या बिलाम उस बात के प्रति वफादार है जो परमेश्वर ने उससे कहा था ? हाँ वह है। वह नहीं जाएगा।

क्या होता है? मोआब का राजा बालाक और लोगों को भेजता है और वे उसके पास आते हैं और उसे फिर से नीचे आने के लिए कहते हैं। और आयत 18 यह कहती है, "परन्तु बिलाम ने उन्हें उत्तर दिया, 'भले ही बालाक ने मुझे अपना महल चाँदी और सोने से भरकर दे दिया हो, तौभी मैं अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञा से परे जाने के लिए कुछ भी बड़ा या छोटा नहीं कर सकता।'" क्या बिलाम एक है यहोवा के उपासक? वह निश्चय ही। वह कहते

हैं, "मैं सोने या चांदी के लिए भी ऐसा नहीं कर सकता।" वैसे, यह तय करता है कि बालाम के जीवन में सबसे बड़ा तनाव क्या होगा। यह सबसे बड़ा तनाव है: पैसा या भगवान का वचन करो। परमेश्वर के वचन का प्रचार करो या पैसे के पीछे जाओ यही वह तनाव होगा जो बिलाम महसूस करता है। वह परमेश्वर के वचन के प्रति वफादार रहेगा, वह चार दैवज्ञ देता है जिन पर हम विचार करेंगे।

अब आप कहते हैं, "एक मिनट रुकें, लेकिन मैंने सोचा कि बालाम एक बुरा आदमी था?" हाँ, वह एक बुरा आदमी है. यदि आप नए नियम में यहूदा के पास जाते हैं, श्लोक 11। बिलाम को सभी समय के महान धर्मत्यागियों में सूचीबद्ध किया गया है। बालाम को बेनेडिक्ट अर्नोल्ड, ली हार्वे ओसवाल्ड या उनके जैसे किसी व्यक्ति के रूप में देखा गया था। यहूदा बाइबिल से एक उत्कृष्ट उदाहरण है। बालाम को यहूदा और बुरे लोगों के साथ सूचीबद्ध किया गया है और यही बात प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में भी घटित होती है। बालाम को गद्दार के रूप में देखा जाता है। मैं यही शब्द चाहता हूँ, "देशद्रोही।" बालाम को एक गद्दार के रूप में देखा जाता है, जिसने शुरू में भगवान की सेवा की और फिर दूर हो गया। नये नियम में, वह एक बड़ा बुरा आदमी होगा। क्या बिलाम परमेश्वर को जानता था? हाँ वह था। हमें यहाँ एक स्पष्ट कथन मिला है कि बालाम कहता है, "मैं केवल वही कहूँगा जो यहोवा, मेरा परमेश्वर मुझसे कहता है।" तो वह ईश्वर को जानता था, वह यहूदी नहीं था, लेकिन फिर भी वह ईश्वर को जानता था।

उसके नाम के बारे में क्या? मुझे उसका नाम बहुत पसंद है. बालाम, इसका अर्थ है "विनाशक"। तो यह आदमी नीचे आता है, उसके नाम का अर्थ है "विनाशक।" यह लगभग किसी कंप्यूटर या किसी चीज़ पर 3-डी गेम जैसा लगता है। अब जब मैं कहता हूँ कि उसका नाम अजीब है, तो क्या आपको एहसास है कि उन्हें वास्तव में इस व्यक्ति का नाम 800 ईसा पूर्व के एक पत्थर पर खुदा हुआ मिला है। यह डेर नामक स्थान से है अल्ला, जो जॉर्डन में है। यह दिलचस्प है, बिलाम के साथ घटनाएँ जॉर्डन में घटित होती हैं और उन्हें जॉर्डन में 800 ईसा पूर्व का एक पत्थर मिला है जिस पर बालाम का नाम लिखा हुआ है। यह 1967 में

पाया गया था और इसका पहली बार अनुवाद 1976 में किया गया था। क्या यह बिल्कुल ताज़ा है? अब इसकी जाँच करें: यह वास्तव में इस मार्कर से एक उद्धरण है, "बोर के पुत्र बिलाम की पुस्तक के दुर्भाग्य। " वैसे, क्या बओर का पुत्र बिलाम हमारा बिलाम है? हाँ वह है। यदि इसमें केवल "बालाम" कहा जाता है, तो एक से अधिक बालाम हो सकते हैं, लेकिन यह "बोर के पुत्र बिलाम " कहता है और वह हमारा लड़का है। "एक दिव्य द्रष्टा," क्या वह वास्तव में वही था? "वह एक दिव्य द्रष्टा था। रात में देवता उसके पास आए और उसने एल के अनुरूप एक दर्शन देखा उच्चारण. उन्होंने बओर के पुत्र बालाम से कहा ..." और यह चलता रहा। क्या यह बहुत अविश्वसनीय है कि उनके पास वास्तव में रिकॉर्ड हैं और यह सिर्फ परियों की कहानी नहीं है? दूसरे शब्दों में, इस आदमी के पास एक बोलने वाला गधा है, यह एक किंवदंती है जो बनी हुई है, है ना? क्या वह लड़का असली था? यह आदमी वास्तव में 800 ईसा पूर्व के वास्तविक रूप में उकेरा गया है, इसलिए यह बहुत अविश्वसनीय है। आपको अक्सर इस तरह की पुष्टि नहीं मिलती है और यह बहुत ही शानदार है। वैसे, इसके मिलने और 1976 में इसका अनुवाद होने के लिए आपको 1967 तक इंतज़ार करना पड़ा।

बिलाम का प्रमुख संघर्ष यह है कि क्या वह परमेश्वर के वचन के साथ जाएगा या क्या वह धन के साथ जाएगा। यही उसकी टेंशन होगी। वैसे, क्या यह हमारे जीवन के विभिन्न बिंदुओं पर हमारा कुछ तनाव होगा, चाहे हम पैसे के लिए जा रहे हों या भगवान की सेवा करने जा रहे हों? यह एक बड़ा तनाव है जिसे हममें से कई लोगों ने महसूस किया है।

ई. बिलाम और गधा [20:55-26:43]

अब गधा कथा: यह एक क्लासिक मार्ग है। क्या किसी को तनाव होने की याद है? परमेश्वर कहते हैं, "ठीक है, बालाम तुम उनके साथ जा सकते हो।" फिर बिलाम उनके साथ जाता है, और फिर अचानक यह देवदूत इस " लाइटसेबर " तलवार के साथ आता है और उसका सिर काटने ही वाला होता है। आप कहते हैं, "एक मिनट रुकिए भगवान, मुझे लगा कि आपने कहा था कि वह जा सकता है और फिर आप उसे मारने की कोशिश करते हैं? इससे क्या है?" ईश्वर तुम्हें अनुमति देता है. यह उस माता-पिता की तरह है जो अपना शब्द

या कुछ और वापस ले लेता है। क्या चल र? मुझे लगता है कि क्या हो रहा है कि भगवान ने कहा, "बालाम, तुम जा सकते हो," लेकिन एक शर्त क्या थी? "तुम्हें वही कहना होगा जो मैं तुमसे कहता हूँ।" बालाम ने शायद अपने मन में सोचा, "शायद मैं इससे कुछ पैसे कमा सकता हूँ। भगवान ने मुझसे यह कहने के लिए कहा, लेकिन शायद मैं यह दूसरी बात कह सकता हूँ ताकि मैं कुछ पैसे कमा सकूँ। शायद मैं अपना केक ले सकता हूँ और उसे खा भी सकता हूँ।" मुझे लगता है कि बालाम इन विचारों के साथ खेल रहा है और भगवान उसे फिर से चेतावनी देने के लिए उसे रोकने जा रहे हैं, "बेहतर होगा कि तुम वही कहो जो मैं तुम्हें बताता हूँ।" इसलिए मुझे लगता है कि गधा कथा कहानी को धीमा करने के लिए है ताकि बिलाम को वही करने की चेतावनी दी जा सके जो भगवान कहते हैं।

तो गधे का क्या होगा? "बिलाम ने भोर को उठकर अपने गधे पर काठी काठी बाटी," (यह अध्याय 22, श्लोक 21 से है), "और मोआब के हाकिमों के साथ चला गया। परन्तु जब वह गया तो परमेश्वर बहुत क्रोधित हुआ, और यहोवा का दूत उसका विरोध करने के लिये मार्ग में खड़ा हो गया। बिलाम अपने गदहे पर सवार था, और उसके दो सेवक उसके साथ थे। जब गधे ने देखा..."

अब यहां शब्दों का खेल चल रहा है. बालाम एक नबी है, नबी को क्या कहा जाता है? एक भविष्यवक्ता को "द्रष्टा" कहा जाता है। यहाँ कौन देखता है? क्या द्रष्टा देवदूत को देखता है या गधा देवदूत को देखता है? द्रष्टा को देवदूत को देखना चाहिए, परन्तु स्वर्गदूत को कौन देखता है? गधा वह देखता है जो द्रष्टा नहीं देख पाता। क्या आप वहां विडंबना देखते हैं? द्रष्टा नहीं देख सकता, परन्तु गधा अवश्य देखता है। "द्रष्टा" शब्द पर एक नाटक है।

“जब गधी ने यहोवा के दूत को हाथ में नंगी तलवार लिए हुए सड़क पर खड़ा देखा, तो वह सड़क से हटकर मैदान में चली गई। बालाम ने उसे सड़क पर वापस लाने के लिए उसे पीटा। तब यहोवा का दूत दो अंगूर के बागों के बीच एक संकरे रास्ते पर खड़ा हुआ।”
वैसे, अंगूर के बगीचे की दीवारें किस चीज से बनी होती हैं? चट्टानें, वे अपनी दीवारें चट्टानों से बनाते हैं और यह एक समस्या है। दोनों तरफ अंगूर के बगीचे की दो दीवारें हैं। “जब

गदही ने यहोवा के दूत को देखा, तो वह दीवार से चिपक गई, और बिलाम का पैर दीवार से दब गया। इसलिए उसने उसे दोबारा पीटा। तब प्रभु का दूत आगे बढ़ा और एक संकरे स्थान पर खड़ा हो गया, जहां न दाहिनी ओर मुड़ने की जगह थी और न बायीं ओर। जब गदही ने यहोवा के दूत को देखा, तब वह बिलाम के नीचे लेट गई, और उसने क्रोधित होकर उसे लाठी से पीटा।

फिर क्या होता है? देखने वाला नहीं देख सकता, लेकिन गधा देखता है। द्रष्टा क्या करता है? द्रष्टा परमेश्वर का वचन बोलता है, है ना? द्रष्टा एक भविष्यवक्ता है; वह भगवान के लिए बोलता है। यहाँ कौन बोलता है? “तब यहोवा ने गदही का मुंह खोल दिया, और वह बिलाम से कहने लगी, मैं ने तेरे साथ ऐसा क्या किया कि तू ने मुझे तीन बार पिटवाया? बालाम ने गधे को उत्तर दिया, 'तू ने मुझे मूर्ख बनाया है! अगर मेरे हाथ में तलवार होती...' क्या आप इसकी विडंबना समझते हैं? बालाम कहता है, "यदि मेरे हाथ में तलवार होती..." किसके हाथ में तलवार है? उसके सामने देवदूत खड़ा है। बिलाम कहता है, “यदि मेरे हाथ में तलवार होती, तो मैं तुम्हें अभी मार डालता।” क्या आपको विडंबना समझ में आती है? यह स्वर्गदूत तलवार के साथ वहीं खड़ा है, और बिलाम कहता है, " यदि मेरे हाथ में तलवार होती, तो मैं तुम्हें अभी मार डालता।"

“ गधे ने बिलाम से कहा, 'क्या मैं तेरा अपना गधा नहीं हूँ, जिस पर तू आज तक सदा सवार हुआ है?' गधा बिलाम से तर्क करने लगता है। "क्या मुझे तुम्हारे साथ ऐसा करने की आदत हो गई है?' 'नहीं', उन्होंने कहा. तब यहोवा ने बिलाम की आंखें खोल दीं..." (अब द्रष्टा देख सकता है।) “...और उसने यहोवा के दूत को अपनी तलवार खींचे हुए सड़क पर खड़ा देखा। इसलिए वह नीचे झुका और मुंह के बल गिर पड़ा।” अब प्रभु का दूत उससे क्या प्रश्न पूछता है? यह सुंदर है। बहुत विडम्बना है. “प्रभु के दूत ने उससे पूछा, 'तूने अपने गधे को तीन बार क्यों पीटा?’” यह वही प्रश्न है जो गधे ने उससे पूछा था। तो गधा कहता है, “तुमने मुझे तीन बार क्यों पीटा? मैंने तो बस तुम्हारी जान बचाई।” तब स्वर्गदूत कहता है, “अरे बिलाम, तूने अपने गधे को तीन बार क्यों पीटा?”

वैसे, क्या देवदूत को जानवरों की परवाह है? क्या भगवान को जानवरों की परवाह

है? आपको कभी-कभी व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को देखने की ज़रूरत है, यह जानवरों के लिए भगवान की देखभाल के साथ वास्तव में दिलचस्प है। इधर गधे को पीटा जा रहा है और देवदूत कहता है, "तुमने अपने गधे को तीन बार क्यों पीटा?" मैं यहां आपका विरोध करने आया हूं क्योंकि आपका मार्ग मेरे सामने लापरवाह है। गधे ने मुझे देखा और तीन बार दूर हो गया। अगर वह मुकर न गई होती, तो अब तक मैं तुम्हें अवश्य मार डालता, परन्तु मैं उसे छोड़ देता।'

बिलाम ने यहोवा के दूत से कहा, 'मैंने पाप किया है...' और बिलाम पीछे हट गया और उसने कहा कि वह केवल वही करेगा जो परमेश्वर कहेगा। बिलाम जब देखता है कि यह स्वर्गदूत उसका सिर काटने को तैयार है तो वह पीछे हट जाता है। तो ये है गधे की कहानी. क्या आप वहां सारी विडंबना देख सकते हैं?

क्या मेरे पास बच्चों को बताने के लिए यह एक बेहतरीन कहानी है? बच्चों को बात करने वाले जानवर पसंद हैं, इसलिए यह बच्चों के लिए एक बेहतरीन कहानी है। यह हमारे लिए भी एक महान कहानी है क्योंकि वह उसे वफादार रहने के लिए कह रहा है। तो गधा द्रष्टा से अधिक देखता है। तब गधा भविष्यवक्ता से भी अच्छा बोलता है। इसलिए कथा धीमी कर दी गई है, बिलाम को चेतावनी देते हुए कि पैसे के पीछे मत जाओ, भगवान के पीछे जाओ।

एफ. बिलाम के चार दैवज्ञ: पहला दैवज्ञ [26:43-28:20]

अब बिलाम यहाँ चार भविष्यवाणियाँ देने जा रहा है। दैवज्ञ क्या हैं? भविष्यवक्ता ये छोटी-छोटी कविताएँ या भविष्यवाणियाँ करते हैं जहाँ वे ईश्वर का वचन बोलते हैं। बालाम परमेश्वर का वचन बोलने वाला है। मोआब का राजा बालाक , बिलाम को इस्राएल को श्राप देने के लिए पर्याप्त ऊंचे स्थान पर आने की कोशिश करने के लिए उकसा रहा है। इसलिए मोआब का राजा बालाक बिलाम से इस्राएल को श्राप दिलवाने की कोशिश करने जा रहा है और वह इसे चार बार आजमाने जा रहा है। तो ये चार दैवज्ञ हैं। पहला दैवज्ञ अध्याय 23, श्लोक 7 में शुरू होता है, और आपको यह कथन मिलता है: " बालाक मुझे अराम से लाया, मोआब का राजा पूर्वी पहाड़ों से। उसने कहा, 'आओ, मेरे लिये याकूब को शाप दो; आओ इस्राएल की निंदा करो'" और फिर बालाम कहता है, "मैं उन लोगों को कैसे शाप दे सकता हूँ

जिन्हें परमेश्वर ने शाप नहीं दिया?" कौन श्राप देता है? क्या बिलाम श्राप देता है या वह परमेश्वर है जिसके पास श्राप देने की शक्ति है? बालाम कहता है, "मैं उन लोगों को शाप नहीं दे सकता जिन्हें परमेश्वर ने शाप नहीं दिया है। यहोवा के सिवा कौन शाप दे सकता है? यहोवा ही एकमात्र ऐसा है जो शाप दे सकता है। मैं शाप नहीं दे सकता।" तो मूल रूप से मोआब का राजा बालाक कहता है, "मैं तुम्हें यहाँ तक ले आया हूँ और तुम मेरे लिए उन्हें श्राप नहीं दोगे।" इसलिये पहिला दैवज्ञ उतरेगा, और बिलाम शाप न देगा। इस्राएल को श्राप देने के बजाय, वह उन्हें आशीर्वाद देता है।

जी बालाम के चार दैवज्ञ: दूसरा दैवज्ञ [28:20-36:21]

मोआब का राजा बालाक, बिलाम को इधर-उधर ले जाता है, उसे एक अलग स्थिति में रखता है और मूल रूप से उसे ऊंचे "जासूसों के पहाड़" पर रखता है और फिर बिलाम इस कथन के साथ नीचे आता है। उसने यह आकाशवाणी की, "हे बालाक, उठ, और सुन; मेरी बात सुनो, सिप्पोर के पुत्र! परमेश्वर मनुष्य नहीं है, कि झूठ बोले, और न मनुष्य का पुत्र है, कि अपना मन बदल ले। क्या वह बोलता है और फिर कार्य नहीं करता? क्या वह वादा करता है और पूरा नहीं करता?" यह एक बहुत ही क्लासिक कविता है जिसे भगवान नहीं बदलता है, और वास्तव में, यदि आप एक और चाहते हैं जो दिलचस्प हो, तो आप आई सैमुअल, अध्याय 15, श्लोक 29 पर जाएं। और यह कहता है . "जो इस्राएल की महिमा है वह झूठ नहीं बोलता या अपना मन नहीं बदलता; क्योंकि वह मनुष्य नहीं, कि अपना मन बदले।" यही मैं शमूएल 15:29 है। तो आपके पास ये दो श्लोक हैं जो कहते हैं कि ईश्वर बदलता नहीं है।

इससे एक प्रश्न उठता है कि क्या हमने ईश्वर को बदलते नहीं देखा जब उसने कहा था कि वह इसराइल को मिटा देगा और तब मूसा प्रार्थना करता है और ईश्वर मान जाता है। तो आप इसके साथ कैसे काम करते हैं? आप इस बात से कैसे सहमत हैं कि ईश्वर बदलता नहीं है जबकि हमने ईश्वर को बदलते देखा है? वह जो करने जा रहा था, उससे परमेश्वर पीछे हट गये। आप उन्हें एक साथ कैसे फिट करते हैं? मैं आपको जो सुझाव देना चाहता हूँ वह यह है कि ईश्वर एक वादा निभाने वाला है। यदि परमेश्वर वचन देता है, तो वह अपना

वचन निभाएगा। परमेश्वर ने किससे वादे किये थे? क्या परमेश्वर ने इब्राहीम से वादे किये थे? इसहाक को? जैकब को? क्या हमने वादा देखा? हमने भूमि, बीज और आशीर्वाद का वादा देखा। यह इब्राहीम को दिया गया था और इसे इसहाक और याकूब को इस्राएलियों तक दोहराया गया था। यह इब्राहीम की वाचा थी जो उसने इब्राहीम के साथ बाँधी थी। भगवान अपने वादे निभाते हैं। वैसे, क्या इब्राहीम की वह वाचा एक हजार साल बाद पूरी होगी? क्या ईश्वर एक हजार साल तक अपना वादा निभाएगा? दो हजार साल? हाँ। भगवान अपने वादे निभाते हैं, हालाँकि कभी-कभी इसमें दो हजार साल भी लग सकते हैं, लेकिन वह अपने वादे निभाते हैं। भगवान का चरित्र भी एक ऐसी चीज़ है जो नहीं बदलती। भगवान का चरित्र: उनकी धार्मिकता, उनका न्याय, उनकी पवित्रता, उनकी करुणा, उनकी दया, उनकी कृपा और उनका क्रोध। भगवान का चरित्र नहीं बदलता।

क्या हर बार आप किसी से वादा करते हैं? क्या आप कभी किसी से बात करते समय बस इधर-उधर बातें करते रहते हैं? आप सिर्फ बातें कर रहे हैं, लेकिन कोई वादा नहीं कर रहे हैं। वैसे, क्या कभी-कभी आप वादे भी करते हैं? किसी व्यक्ति के जीवन में वह बड़ा समय कब आएगा जब वह कोई बड़ा वादा करेगा? एक शादी में, जब आप "बेहतर या बुरे के लिए, बीमारी में और स्वास्थ्य में, 'जब तक मृत्यु हमें अलग नहीं कर देती, आदि' का वादा करते हैं।" वे बड़े वादे हैं। लोग बड़े-बड़े वादे करते हैं। क्या लोग हमेशा अपने वादे निभाते हैं? यह एक समस्या बन जाती है। क्या भगवान अपने वादे निभाते हैं? तो क्या हम हमेशा वादा करते हैं या कभी-कभी हम बस खिलवाड़ करते हैं और लोगों से बात करते हैं? क्या हम कभी व्यंग्यात्मक होते हैं? क्या हम कभी जो कहते हैं उसका ठीक विपरीत कहते हैं? हाँ हम करते हैं। अब व्यंग्य करना क्या वह बुराई है? नहीं, यह नहीं है। क्या भगवान कभी-कभी व्यंग्यात्मक होंगे? क्या किसी को भविष्यवक्ता एलियाह याद है? एलियाह व्यंग्यात्मक है। बाल के भविष्यवक्ता इधर-उधर उछल-कूद कर रहे हैं और एलियाह कहता है, "अरे, तुम लोग, बेहतर होगा कि तुम जोर से चिल्लाओ। बाल बर्तन पर है, और वह आपकी बात नहीं सुन सकता। जोर से चिल्लाओ, वह तुम्हारी बात नहीं सुन सकता।" क्या एलियाह उनका मज़ाक उड़ा रहा है? क्या एलियाह बाल पर विश्वास करता है? आई किंग्स 18 में एलियाह ,

बाल में विश्वास नहीं करता; वह उनका मज़ाक उड़ा रहा है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या हमारे पास विभिन्न प्रकार के तरीके हैं जिनसे हम संवाद कर सकते हैं? क्या कभी-कभी हम यह व्यक्त कर सकते हैं कि हम कैसा महसूस करते हैं? अब क्या वह वादा है? तो हम अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं, हम अपनी प्रतिबद्धताओं और वादों को व्यक्त कर सकते हैं, और हम व्यंग्य और चुटकुले व्यक्त कर सकते हैं। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे हम खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं।

मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि यदि हम खुद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं, तो क्या भगवान भी खुद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं? जब भगवान आपको एक वादा देता है, तो वह अपना वादा निभाएगा। लेकिन ईश्वर अन्य तरीकों से भी संवाद कर सकता है और वह जो कुछ भी कहता है वह जरूरी नहीं कि एक वादा हो। कभी-कभी वह सिर्फ बात कर रहा होता है या कुछ अलग कर रहा होता है। तो फिर ईश्वर रचनात्मक संभावनाओं में शामिल है। कभी-कभी संभावनाएं होती हैं, और कभी-कभी भगवान स्वयं उन संभावनाओं की खोज करते हैं। ईश्वर के साथ सशर्त कथन हैं। भगवान कहते हैं, " यदि तुम मेरी बात मानोगे, तो यह होगा और यदि तुम मेरी अवज्ञा करोगे, तो यह होगा।" भगवान के साथ "अगर" है। ईश्वर के साथ सशर्त कथन हैं। इसलिए, भविष्य पूरी तरह से बंद नहीं है।

अब भविष्य में कुछ चीजों पर ताला लग गया है। यीशु का जन्म बेथलहम में होगा जिसे बंद कर दिया गया था (मीका 5:2)। लेकिन ऐसी अन्य चीजें भी हैं जो बंद नहीं हैं और किसी व्यक्ति की प्रतिक्रिया या भगवान के साथ बातचीत पर निर्भर करती हैं। मैं उस स्वतंत्र-इच्छा/पूर्वनिर्धारण के मुद्दे से छुटकारा पाना चाहता हूँ। वैसे, क्या इस वर्ग में असहमत होना ठीक है? उत्तर है, हाँ। कोई नहीं जानता कि इसे कैसे हल किया जाए। मैंने आपको बताया है कि मैं इसके बारे में कैसे सोचता हूँ, लेकिन हो सकता है कि आप इसके बारे में अलग तरह से सोचें, जो पूरी तरह से ठीक है। यह सोचने के बाद कि मैंने समस्या हल कर ली है, मुझे एहसास हुआ कि मैं कितना बड़ा मूर्ख हूँ। मुझे नहीं पता कि भगवान का मन कैसा है। मैं पवित्रशास्त्र के साथ यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से काम करता हूँ, और यह पुस्तक ही वह

सब कुछ है जो मुझे मिला है। अलग-अलग लोग अलग-अलग रुख अपनाते हैं और मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मैं किसी और से ज्यादा जानता हूँ। मैं बस विभिन्न अंशों से जूझने की कोशिश कर रहा हूँ। इस पर असहमत होना ठीक है।

क्या आप में से कुछ लोग प्रेस्बिटेरियन पृष्ठभूमि से हैं? यदि मैंने कहा, "सुधारित" तो क्या आप इस शब्द को जानते होंगे? वास्तव में मैं कैल्विनवादी सुधारवादी परंपरा में इसी तरह बड़ा हुआ हूँ। क्या कोई वेस्लेयन है? क्या कोई साल्वेशन आर्मी करता है? साल्वेशन आर्मी और वेस्लीयन परंपरा अधिक स्वतंत्र इच्छा वाले समूह हैं। अपने पूरे जीवन में, मैं सुधारवादी विचारधारा से मुक्त-इच्छा की ओर अधिक स्थानांतरित हुआ हूँ। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि यह सही है या गलत, यह वही है जहां मैं हूँ, काफी हद तक पवित्रशास्त्र के अपने अध्ययन से, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मैं सही हूँ।

अब पूरी तरह से गियर बदलने के लिए, मैं बालाम के चार दैवज्ञों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि ये वास्तव में साफ-सुथरे हैं। बिलाम ने इसका उल्लेख दूसरे दैवज्ञ में, श्लोक 21 में किया है। बालाम यह कहता है, "याकूब में कोई दुर्भाग्य नहीं देखा जाता है, इज़राइल में कोई दुःख नहीं देखा जाता है। उनका परमेश्वर यहोवा उनके संग है; उनके बीच राजा की जयजयकार होती है।" वह इन दोनों बातों में समानता रखता है: वह समानता रखता है, "उनका परमेश्वर यहोवा उनके साथ है;" "उनके बीच राजा की जयजयकार होती है।" इस्राएल का राजा कौन है? यहोवा, उनका परमेश्वर, उनका राजा है। तो इस अनुच्छेद में बिलाम कहता है, "मैं उन्हें श्राप नहीं दे सकता। उनका राजा यहोवा है। मूसा उनका राजा नहीं है। यहोवा, यहोवा, उनका राजा है।" वह दूसरे दैवज्ञ में है।

एच. बालाम के चार दैवज्ञ: तीसरा दैवज्ञ [36:22-38:44]

इसके बाद बालाम ने ओरेकल श्री का कार्यभार संभाल लिया। वे एक अलग स्थान पर चले जाते हैं। मुझे दैवज्ञ का थोड़ा सा अंश पढ़ने दीजिए, "...परमेश्वर की आत्मा उस पर उतरी।" वैसे, क्या पुराने नियम में ईश्वर की आत्मा है? हाँ, परमेश्वर का आत्मा बिलाम पर उतरा और उसने अपना वचन सुनाया। यहाँ दैवज्ञ है, " बोर के पुत्र बालाम का दैवज्ञ, उसकी दैवज्ञ जिसकी आँखें स्पष्ट देखती हैं, उसकी दैवज्ञ जो परमेश्वर के वचनों को सुनता है, जो

सर्वशक्तिमान से एक दर्शन देखता है, जो साष्टांग गिरता है, और जिसकी आँखें खुल जाते हैं।" तो वह अपनी आँखें खोलकर जमीन पर गिर जाता है और फिर वह यह भविष्यवाणी करता है। इसे ही "परमानंद कथन" कहा जाता है। भविष्यवक्ता ईश्वर की ओर से एक भविष्यवाणी देने जा रहा है इसलिए वह जमीन पर गिर जाता है, उसकी आँखें खुली होती हैं, और वह ईश्वर की ओर से यह संदेश देता है। यह एक तरह से (अब यह बहुत अजीब है) आत्मा में मारे जाने जैसा है। पुराने दिनों में उनके पास यह चीज़ होती थी, आत्मा को मार डाला जाता था, और यह कुछ उसी के समान है। वह आदमी नीचे जाता है और वह यह भविष्यवाणी ईश्वर या किसी और चीज़ से करता है।

अब ध्यान दें कि वह अध्याय 24, श्लोक 7 में राजा के विषय में क्या कहता है, "उनकी बाल्टियों से जल बहेगा; उनके बीज को प्रचुर जल मिलेगा। उनका राजा अगाग से महान होगा ..." अगाग एक मानव राजा है। क्या वह कह रहा है कि यहोवा, उनका राजा, मानव राजा से भी महान होगा? यह एक मूर्खतापूर्ण बयान होगा, है ना? निःसंदेह, ईश्वर अगाग से भी बड़ा है। क्या यह किसी मानवीय राजा की बात कर रहा है? "उनका राजा अगाग से महान होगा; उनका राज्य ऊँचा किया जाएगा।" तो यहाँ इस तीसरे दैवज्ञ में, आपको एक मानव राजा का उल्लेख मिलता है, एक ऐसा राजा जो राजा अगाग से भी महान होगा। तो आपके पास बिलाम के दो दैवज्ञों में एक दैवज्ञ है जो ईश्वर को उनके राजा के रूप में संदर्भित करता है, और आपके पास एक और दैवज्ञ है जहाँ वह एक मानव राजा का उल्लेख कर रहा है जो अगाग से भी बड़ा होगा। तो आपको ये दो राजा मिल गए जिनका बालाम उल्लेख कर रहा है।

I. बालाम के चार दैवज्ञ: चौथा दैवज्ञ [38:45-41:49]

अंदाजा लगाइए कि वह ओरेकल चार में किस बारे में बात करने जा रहा है? हाँ, एक राजा. दैवज्ञ चार में वह एक राजा के साथ आता है, और अध्याय 24, श्लोक 17 में इसकी जाँच करें, "मैं उसे देखता हूँ, परन्तु अभी नहीं; मैं उसे देखता तो हूँ, लेकिन नजदीक नहीं।" क्या बिलाम कह रहा है कि वह भविष्यवक्ता है? "मैं उसे देखता हूँ, लेकिन अभी नहीं; मैं उसे देखता हूँ, परन्तु निकट नहीं। याकूब में से एक तारा निकलेगा; इस्राएल से एक राजदंड

उठेगा।" आमतौर पर राजदंड कौन धारण करता है? एक राजा. राजदंड राजा का एक रूपक है। यह राजा के लिए एक अलंकार है। वह कहते हैं, "...इज़राइल से एक राजदंड उठेगा। वह मोआब के माथे को कुचल डालेगा..."

लेकिन यहां "याकूब से एक तारा निकलेगा" और "इज़राइल से एक राजदंड निकलेगा" के बीच समानताएं देखें। एक राजदंड और एक तारा समानान्तर हो रहे हैं। बाइबल में और किस स्थान पर (मुझे लगता है कि रहस्योद्घाटन के बाहर यह एकमात्र स्थान है) एक सितारा और एक राजा जुड़े हुए हैं? हाँ, यीशु के जन्म पर। यीशु के जन्म पर आपके साथ क्या हुआ था? बुद्धिमान लोग आए; जादूगर आया. वैसे, जादूगर कहाँ से थे? वे मेसोपोटामिया से थे। बालाम कहाँ से था? मेसोपोटामिया. बुद्धिमान लोगों को उस तारे का अनुसरण करना और यरूशलेम जाना और पूछना कैसे पता चला, "वह जो यहूदियों का राजा पैदा हुआ है वह कहाँ है?" क्या यह संभव है, (अब यह मेरी ओर से पूर्ण अनुमान है), कि बिलाम (जो मेसोपोटामिया से है) के चार दैवज्ञ उसके साथ मेसोपोटामिया वापस चले गए और बुद्धिमान लोग बिलाम के दैवज्ञ को पढ़ रहे थे? क्या यह व्यक्ति 600 साल बाद भी एक प्रसिद्ध भविष्यवक्ता था [लगभग। 800 ईसा पूर्व] , ताकि ये भविष्यवाणियाँ ज्ञात हो सकें? जादूगरों ने एक तारा देखा और यहूदियों के राजा की तलाश के लिए यरूशलेम जाना जाना। तो मैं सोच रहा हूँ कि क्या इस मार्ग का उपयोग जादूगरों द्वारा उस तारे के बारे में पता लगाने के लिए किया गया था जो उन्हें इज़राइल में राजदंड तक ले गया था और यह यीशु को संदर्भित करता है। क्या यह दिव्य राजा और मानव राजा को एक साथ बांधेगा? ये सब अनुमान है. मैं इसे खुले हाथ से पकड़ता हूँ, लेकिन यह मुझे समझ में आता है। यह यीशु, एक सितारा और एक राजदंड के बारे में वास्तव में एक शानदार मसीहाई भविष्यवाणी है। मुझे बस आश्चर्य है कि क्या यह ईसा मसीह के जन्म के समय जादूगरनी प्राप्त करने के लिए बालाम से आया था।

जे. नंबरों में बालाम को सकारात्मक रूप से क्यों चित्रित किया गया है? [41:50-48:45]

अब हम बालाम के बारे में यहाँ क्या जानते हैं? पहले दो दैवज्ञों में, मैं परिवर्तन के मुद्दे से निपटने की कोशिश कर रहा था, और फिर हम दूसरे, तीसरे और चौथे दैवज्ञों पर वापस

गए और इस बार देखा कि वे राजा के बारे में क्या कहते हैं। वैसे, दैवज्ञ लंबे होते हैं, प्रत्येक में लगभग 10 छंद होते हैं और मैंने उन सभी दैवज्ञों को नहीं पढ़ा है। बालाम को कथा में इतना सकारात्मक रूप से क्यों चित्रित किया गया है? बालाम इन महान भविष्यवाणियों में एक मसीहा संबंधी भविष्यवाणी भी करता प्रतीत होता है।

मुझे लगता है कि जो हो रहा है वह यह है कि ग्रंथों में विरोधाभास है। इस्राएल की बेवफ़ाई और बिलाम की वफ़ादारी के बीच एक विरोधाभास है। बिलाम, एक बुतपरस्त कवि या भविष्यवक्ता, इस्राएल की तुलना में ईश्वर के प्रति अधिक वफादार है। इसलिए बालाम और इस्राएल के बीच एक विरोधाभास है। इस बिंदु पर बुतपरस्त भविष्यवक्ता ईश्वर के प्रति अधिक वफादार है।

क्या आप अलग-अलग लोगों को अलग-अलग तरीकों से देख सकते हैं? क्या कोई इंसान बिल्कुल बुरा होता है? व्यक्तिगत रूप से मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ जिसके खिलाफ इंडियाना में सबसे अधिक आजीवन कारावास की सजा हुई है। उनके पास इंडियाना राज्य में लगभग 11 आजीवन कारावास की सजा का रिकॉर्ड है। मैं उसे उसके पहले नाम डेव से बुलाऊंगा। वह मेरा दोस्त है। क्या डेव बिल्कुल बुरा आदमी है? क्या डेव ने सचमुच कुछ बहुत बुरा काम किया? हाँ वह था। लेकिन क्या वह पूरी तरह से बुरा है? नहीं वह नहीं है। मैं कई हत्यारों को जानता हूँ और इनमें से कई लोग मेरे दोस्त हैं। हां, उन्होंने कुछ ऐसे काम किए जो वाकई बुरे थे, लेकिन उनमें कुछ अच्छाई भी है। क्या आप किसी बुरे व्यक्ति में कुछ अच्छाई देख सकते हैं?

दूसरी ओर, क्या आप किसी अच्छे व्यक्ति में कोई बुराई देख सकते हैं? आपके माता-पिता, भाई-बहनों के बारे में क्या? क्या आप अपने भाई-बहनों के बारे में सारी बुरी बातें जानते हैं? मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप चुन सकते हैं कि आप किसी व्यक्ति को कैसे देखेंगे।

बालाम की कहानी शुरू में बालाम पर सकारात्मक प्रकाश डालते हुए बताई गई है, लेकिन फिर कहानी बदल जाती है। वैसे, जब आपकी शादी होती है तो आपकी पत्नी अच्छी होती है या बुरी? क्या आपका पति अच्छा है या बुरा? आप यह पता लगाने जा रहे हैं कि

आपके पति या आपकी पत्नी में कुछ बहुत सकारात्मक चीजें हैं और कुछ बहुत नकारात्मक चीजें हैं। यदि आप केवल सकारात्मक चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं (जैसे कि मेरे मामले में), तो आप सोचेंगे कि आपकी पत्नी दुनिया की सबसे अद्भुत व्यक्ति है। बुरे पक्ष क्या हैं? उसका कोई भी बुरा पक्ष नहीं है। मैं कहता हूँ कि क्योंकि यह टेप पर रिकॉर्ड किया गया है, मेरी उससे शादी को 36 साल हो गए हैं और जानता हूँ कि उसे समस्याएं हैं। क्या मेरी भी अपनी समस्याएं हैं? वह मेरी समस्याओं को देख सकती है और यही वह सब कुछ हो सकता है जिसे वह देखना चाहती है। यदि आप हर समय समस्याओं को देखते रहेंगे, तो आपकी शादी का क्या होगा? यह ट्यूब के नीचे चला जाता है। वह संभवतः सबसे अच्छी चीज़ है जो यीशु मसीह के बाहर मेरे जीवन में कभी घटित हुई है। मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि क्या आप उस परिप्रेक्ष्य को देखते हैं जिसे आप अपनाते हैं? अपने रूममेट के बारे में सोचें, क्या आप नकारात्मक या सकारात्मक सोच सकते हैं? यदि आप चीजों का केवल एक ही पक्ष देखते हैं तो आप रिश्ते को नष्ट कर सकते हैं।

यहाँ बिलाम ने क्या किया: संख्या 25 में यह कहा गया है, "जब इस्राएल शितीम में रह रहा था, तो पुरुषों ने मोआबी महिलाओं के साथ यौन अनैतिकता करना शुरू कर दिया, जिन्होंने उन्हें अपने देवताओं के लिए बलिदान करने के लिए आमंत्रित किया।" तो यह न केवल यौन अनैतिकता है, बल्कि बुतपरस्त पूजा के संदर्भ में भी यह अनैतिकता है। प्राचीन दिनों में उन्होंने यही किया था: पूजा का एक हिस्सा अनैतिकता था। "लोगों ने भोजन किया और इन देवताओं को दण्डवत् किया। इसलिये इस्राएल पोर के बाल की उपासना करने में सम्मिलित हो गया। यहोवा का क्रोध उन पर भड़क उठा।" अब अचानक इजराइल को श्राप मिलने वाला है। इजराइल शापित क्यों है? क्योंकि उन्होंने पाप किया।

सबसे अधिक संभावना यह है कि यह कैसे नीचे चला गया। इस्राएल को श्राप कैसे मिला? बिलाम ने स्वयं इस्राएल को श्राप देने से इन्कार कर दिया। उसने इनकार कर दिया क्योंकि परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह वही कहे जो उसने उससे कहा था। हालाँकि, क्या बिलाम को पता था कि इस्राएल को शापित करने का एकमात्र तरीका उनसे पाप करवाना था? इसलिए ऐसा माना जाता है कि बिलाम ने मोआबियों से कहा कि वे पुरुषों को इन अन्य

देवताओं की पूजा में प्रलोभित करने के लिए अपनी स्त्रियों को वहाँ रखें। इस्राएल पाप करेगा और परमेश्वर उनका न्याय करेगा। बालाम ने उसे स्थापित किया। क्या वह सचमुच बुरा है? हाँ, और बालाम ने उसे स्थापित किया। आप अध्याय 25 में इसका थोड़ा सा अंश देखते हैं और आप अध्याय 31 में बिलाम की मृत्यु देखते हैं। यह 6 अध्याय बाद का है, यह कहता है कि उन्होंने इन सभी लोगों को मार डाला और उन्होंने "बोर के पुत्र बिलाम को भी तलवार से मार डाला।" इसलिये इस्राएल ने बिलाम को पकड़ लिया और उन्होंने उसे मार डाला। श्लोक 16 में कहा गया है, "वे वही थे जो बालाम की सलाह का पालन करते थे और पोर में जो कुछ हुआ, उसमें इस्राएलियों को प्रभु से दूर करने का साधन थे, जिससे कि प्रभु के लोगों पर एक महामारी आ गई।" इसलिये बिलाम ने उन मोआबी स्त्रियोंको बाहर निकलकर उन पर मोहित होने की सलाह दी। बालाम उसके पीछे का आदमी था। बिलाम यहूदा प्रकार का व्यक्ति है। क्या वह जैसे के पीछे जायेगा या परमेश्वर के वचन के पीछे? वह परमेश्वर के वचन की घोषणा करता है, लेकिन फिर वह इस जैसे की चीज़ के पीछे चला जाता है और इज़राइल को शापित करने के लिए अपनी सलाह देता है। परमेश्वर उन्हें शाप देता है क्योंकि उन्होंने पाप किया है। बिलाम को इतना सकारात्मक रूप से क्यों चित्रित किया गया है? इस्राएल की बेवफाई और उसकी वफादारी के बीच विरोधाभास के कारण। वह संख्याओं की पुस्तक है।

के. एक संविदा नवीनीकरण के रूप में व्यवस्थाविवरण का परिचय [48:46-50:36]

अब हम छलांग लगाकर व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को पकड़ने जा रहे हैं। व्यवस्थाविवरण की यह पुस्तक बहुत ही रोचक पुस्तक होने वाली है। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पेंटाटेच या टोरा (मूसा की 5 पुस्तकें) को समाप्त करती है। व्यवस्थाविवरण एक वाचा का नवीनीकरण है। अनुबंध नवीनीकरण क्या है? परमेश्वर इब्राहीम के पास आता है और उसके साथ एक वाचा बाँधता है और कहता है, "इब्राहीम, तुमने मुझ पर विश्वास किया, मैं तुम्हें भूमि दूंगा, मैं तुम्हें बीज दूंगा। तेरा वंश आकाश के तारों के समान बहुत बढ़ेगा, और तू पृथ्वी की सारी जातियों के लिये आशीष ठहरेगा।" क्या इब्राहीम की वह वाचा इसहाक और याकूब को दोहराई गई है? इसे "संविदा नवीनीकरण" कहा जाता है, जब यह एक पीढ़ी

से दूसरी पीढ़ी तक गुजरता है। व्यवस्थाविवरण में हमें मूसा और किसके बीच एक पीढ़ीगत परिवर्तन मिला है? मूसा जेरिको को देखते हुए माउंट नीबो पर चढ़ने वाला है क्योंकि मूसा वादा किए गए देश में प्रवेश नहीं कर सकता है। इसके बजाय परमेश्वर उसे सारी भूमि दिखाने जा रहा है। वह जॉर्डन नदी को पार नहीं कर सकता और वह माउंट नीबो पर मरने वाला है। भगवान उसे दफनाएंगे और उसकी देखभाल करेंगे। मूसा को सत्ता छोड़कर यहोशू को देनी होगी। व्यवस्थाविवरण की पुस्तक मूसा से यहोशू तक "बैटन" का स्थानांतरण है। अब मूसा कहने जा रहा है, "यहोशू, भविष्य में जो होने वाला है वह यही है। यह भूमि आपके लिए ऐसी ही होगी। मैं वहां नहीं जा सकता, लेकिन यहोशू, तुम अगली पीढ़ी को पार ले जाओगे। "यह एक अनुबंध नवीनीकरण होने जा रहा है। वैसे, एलिजा और एलीशा के साथ भी आपको वही चीज़ मिलती है। आपको दो पैगम्बर मिलते हैं, गुरु और शिष्य।

एल. व्यवस्थाविवरण प्रमुख विषय: कब्ज़ा करने का वादा, आराम करने के लिए परीक्षण

[50:37-55:16]

अब परिवर्तन का सामना करना पड़ रहा है: मैं सबसे पहले व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को देखना चाहता हूँ और इसमें इसके बड़े अर्थ के बारे में लगभग एक अस्तित्ववादी दृष्टिकोण है। अब तक पेंटाटेच में, हमने परमेश्वर का वादा देखा है। भगवान वादा करता है और वादा करता है. वह इब्राहीम से वादा करता है, वह इसहाक से वादा करता है, वह याकूब से वादा करता है, और वह मूसा से वादा करता है। परन्तु क्या इब्राहीम, इसहाक और याकूब के पास है? इब्राहीम के पास पूरे वादा किए गए देश में से संपत्ति का एक टुकड़ा था। वह क्या था? मकपेला की गुफा , जहां उसने अपनी पत्नी सारा को दफनाया था। इज़राइल में उसका एकमात्र स्थान वह स्थान था जहाँ उसने अपनी पत्नी को दफनाया था। आज तक, तुम हेब्रोन जा सकते हो और मकपेला की गुफा तक जा सकते हो । मैं इसकी अनुशंसा नहीं करता हूँ। पिछली बार जब मैं वहां था, तो हमारे पहुंचने से आधे घंटे पहले दो महिलाओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह वास्तव में जाने के लिए अच्छी जगह

नहीं है, खासकर जब आप नहीं जानते कि आप क्या कर रहे हैं। परन्तु हेब्रोन में मकपेला की गुफा है। यह एक बहुत प्रसिद्ध जगह है, हालाँकि आज यह बहुत खतरनाक है।

परीक्षण बनाम आराम। इस्राएली जंगल में थे और यह परीक्षा का समय था। उन्होंने कहा, न पानी, न भोजन, न नेतृत्व, न खाने के लिए मांस। इसलिये परमेश्वर ने जंगल में चालीस वर्ष तक उनकी परीक्षा ली। अब जब वे प्रतिज्ञा किए हुए देश में जाएंगे, तो क्या उनकी परीक्षा समाप्त हो जाएगी? परीक्षण समाप्त हो जाएगा और भगवान कहते हैं कि वे आराम का अनुभव करेंगे। व्यवस्थाविवरण इस भूमि को देखता है और कहता है, “जंगल में 40 वर्षों तक तुम्हारी परीक्षा होती रही है। आप लोग अंदर जा रहे हैं और आपको आराम मिलेगा। वह आप लोगों के लिए अद्भुत होगा। तुम्हें केवल वादे ही नहीं मिलेंगे, बल्कि तुम्हें वह भी मिलेगा जिसका वादा इब्राहीम, इसहाक और याकूब से किया गया है।”

क्षणिक बनाम स्थायित्व: आप लोग कॉलेज के छात्र हैं, क्षणिक या स्थायी? असल में मैं आपमें से कुछ को देखता हूँ, और शायद "स्थायी" को। क्या यह आपके पूरे जीवन के लिए कॉलेज में फँसे रहने जैसा नहीं लगेगा? क्या यह *ग्राउंडहोग दिवस* जैसा नहीं होगा? दरअसल, अगर आप जीवन भर कॉलेज में फँसे रहना चाहते हैं, तो क्या आप जानते हैं कि आप क्या करेंगे? प्रोफेसर बनो और यही मैंने किया। सच तो यह है कि ये आपके जीवन के कुछ सबसे अच्छे दिन हैं। मुझे पता है कि यह वास्तव में अजीब लगता है, लेकिन ये कॉलेज के दिन आपके जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से कुछ हैं। आप इस पर पीछे मुड़कर देखेंगे और आपको इन दिनों की याद आएगी। क्षणिक बनाम स्थायी. क्या आप लोगों ने कभी यात्रा की है, यात्रा की है और यात्रा की है? इस गर्मी में, मेरा बेटा अभी अफगानिस्तान से वापस आया है? हम उसके भाई को देखने के लिए निकले। हमने कार को डेनवर, कोलोराडो तक 33 घंटे तक चलाया। डेनवर में काम पूरा करने के बाद, हम येलोस्टोन और इडाहो और यह सब होते हुए गए। हमें इडाहो में एक आलू भी नहीं मिला, वह कितना बीमार है? अंकल डेविड को नमस्ते कहने के लिए हम मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन से होते हुए दक्षिण डकोटा से वापस लौटे। अब वह अफगानिस्तान में यात्रा कर रहा है और लगभग हर दिन उसे गोली मारी जा रही है। वह अमेरिका वापस आता है और हम देश भर में इस यात्रा पर निकलते हैं।

किसी निश्चित बिंदु पर क्या वह क्षणिक रहना चाहता था या वह सिर्फ घर में रहना चाहता था? क्या वह लोमड़ी के घर में सोने के बजाय सिर्फ अपने बिस्तर पर सोना चाहता था? क्या यह बहुत बड़ी बात है? वह बहुत बड़ी बात थी. तो जब हम विस्कॉन्सिन पहुँचे और उसने कहा, “पिताजी, मैं यात्रा करते-करते थक गया हूँ। मैं बस घर जाना चाहता हूँ। चलो घर चलते हैं।” इसलिए हमने लगातार 26 घंटे तक गाड़ी चलाई। मैं इसकी अनुशंसा नहीं करता. मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या आपको कभी यात्रा, यात्रा और यात्रा करनी पड़ी है और आप बस एक ऐसी जगह की चाहत रखते हैं जहां आप बस सकें और स्थायी हो सकें जहां चीजें हमेशा परिवर्तनशील नहीं होती हैं? इस प्रकार इस्राएल जंगल में है। वे क्या हैं? वे जंगल में भटक रहे हैं. क्षणभंगुर, क्षणभंगुर, क्षणभंगुर। मूसा ने कहा कि क्षणभंगुरता समाप्त होने वाली है और तुम लोग स्थिर होने वाले हो। आपके पास अपनी खुद की संपत्ति होने वाली है। आपका अपना घर होगा, आप जमीन पर बसने, बसने, स्थायी रूप से रहने और यहां तक कि अपने परिवार का पालन-पोषण करने में सक्षम होंगे।

एम. अंतरिक्ष और स्थान [55:17-59:23]

अब वाल्टर ब्रूगेमैन नाम का एक व्यक्ति है और उसने *द लैंड* नामक एक पुस्तक लिखी है और मैंने ये अवधारणाएँ उससे चुरा ली हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वे वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। ब्रूगेमैन अंतरिक्ष के बारे में बात करते हैं। अब अंतरिक्ष क्या है? अंतरिक्ष अराजकता की तरह है. एक वाक्यांश जो मुझे पसंद है उसे मैं WUD थ्योरी कहता हूँ। क्या आप जानते हैं WUD क्या है? दुनिया उलटी। क्या आपमें से किसी ने कभी यह अनुभव किया है कि, जहां सब कुछ उल्टा है, सब कुछ पागलपन है? जो सही होना चाहिए वह गलत है, और जो गलत होना चाहिए वह सही है, दुनिया उलटी है। उलटी दुनिया, वह है अंतरिक्ष। अराजकता, क्षणभंगुरता, अंतरिक्ष, यही वह जगह है जहां आप नहीं हैं और आप अंतरिक्ष के माध्यम से यात्रा करते हैं। आप अंतरिक्ष में यात्रा करते हैं, लेकिन आप वहां के नहीं हैं। यह अंतरिक्ष है. जंगल अंतरिक्ष है. यह कठिनाई का स्थान है. वहाँ न खाना है, न पानी, न पर्याप्त जीविका। यह स्थान है, यह अराजकता है।

आप अंतरिक्ष से स्थान की ओर बढ़ते हैं। स्थान, यदि मुझे एक या दो शब्द चुनना हो

तो एक होगा "घर"। क्या आपमें से कुछ लोगों को घर जैसा एहसास है? घर, अपनापन... घर एक ऐसी जगह है जहां मैं खुद रह सकता हूं। हर कोई मुझे वैसे ही जानता है जैसे मैं हूं, अजीब है क्योंकि सभी बाहर निकलते हैं। वैसे, क्या ये सब भी अजीब हैं? हम सब एक साथ अजीब हैं। हम जानते हैं कि हर कोई अजीब है, लेकिन हम परिवार हैं और हम घर पर हैं। हम वहीं के हैं। क्या आप कभी ऐसे माहौल में रहे हैं जहां आपको लगा कि आप वहां के नहीं हैं? वह जगह है, लेकिन घर पर, आप आराम कर सकते हैं, आप जैसे हैं वैसे ही रह सकते हैं। वे जानते हैं कि आप कौन हैं। आपको यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि आप कौन हैं, वे जानते हैं कि आप कौन हैं। वे तुम्हें जानते हैं और तुम उन्हें जानते हो। यह ठीक है, आप सभी अजीब हैं, और आप इस चीज़ में एक साथ हैं। तो वह जगह, वह घर का एहसास...

मेरे दामाद ने मेरी बेटी से शादी की, (इसीलिए वह मेरा दामाद है) उसका जन्मदिन जनवरी में आ रहा है। वह आदमी 41 का होने वाला है, मुझे विश्वास नहीं हो रहा। वैसे भी, वह मेरी बेटी से काफी बड़ा है, लेकिन वह वास्तव में एक साफ-सुथरा लड़का है। वह ताइवान से अमेरिका आया था और उसका पूरा परिवार टूट चुका है और उसका पूरा परिवार कैलिफोर्निया में है। वे वास्तव में बहुत दूर हैं और परिवार टूट गया है: पिता, माँ और ऐसी ही चीज़ें। वह किस चीज़ की चाहत रखता है? उसे अब एहसास हुआ है, वह मध्य आयु का है और उसे जितना आप विश्वास कर सकते हैं उससे कहीं अधिक दोस्त मिल गए हैं। आप लोगों के पास फेसबुक है, उसके पास आप जितना विश्वास कर सकते हैं उससे कहीं अधिक मित्र हैं, फेसबुक से भी अधिक। उसके बहुत सारे दोस्त हैं, लेकिन उसे यह एहसास है कि ये सभी दोस्त हैं। क्या दोस्त आते हैं और चले जाते हैं? दोस्त आते हैं और चले जाते हैं, और उसे एहसास हो रहा है कि "मुझे परिवार चाहिए।" लेकिन वह कहते हैं, "मेरा परिवार कैलिफ़ोर्निया में है और वे सभी टूट चुके हैं।" तो उसे एक तरह से हमारे परिवार ने अपना लिया है, इसलिए वह अब हमारे परिवार का हिस्सा है। हमारा परिवार बहुत ही एकजुट है, मुझे आशा है कि उसे ऐसा महसूस होगा जैसे वह हमारे परिवार का सदस्य है। क्या वह सदस्य है? "ओह, उसने शादी कर ली, हाँ उसने शादी कर ली।" इसलिए वह हमारे परिवार का हिस्सा है इसलिए जब हम कुछ करते हैं। हमारे बच्चे एक साथ आने के लिए शायद ही

इंतज़ार कर सकें। मेरे दोनों बेटे अभी एल्क की शूटिंग कर रहे हैं। वे बांबी की शूटिंग कर रहे हैं। जिस तरह से वे गोली चलाते हैं... वास्तव में मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए, मेरे दोनों बेटे विशेषज्ञ निशानेबाज हैं। वैसे भी उन्हें अभी तक कुछ नहीं मिल पाया है। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह घर की यह भावना है, यह अपनेपन की भावना है। क्या आप घर पर आराम कर सकते हैं? आप आराम कर सकते हैं, आप आराम कर सकते हैं, और आप स्वयं बन सकते हैं। तो यह स्थान और स्थान के बीच का अंतर है।

यह जंगल है। यह वादा किया हुआ देश है। जब वे वादा किए गए देश में जाते हैं, तो वे उस स्थान में प्रवेश करते हैं, इस एहसास के साथ कि वे कहाँ के हैं। अब उन्हें यहाँ घर मिल सकता है। वे अब भटक नहीं रहे हैं। भटकना दूर हो गया है, अब वे स्थाई ठिकाना बसा सकते हैं।

एन. जहाँ प्रश्न का प्रभाव [59:24-62:37]

इससे कुछ बातें सामने आती हैं। क्या आप "कहाँ" रहते हैं वह महत्वपूर्ण है? क्या "कहाँ" प्रश्न आपके जीवन को प्रभावित करता है? क्या आप ओल्ड टेस्टामेंट कक्षा में उसी तरह व्यवहार करते हैं जैसे आप बास्केटबॉल खेल में करते हैं? क्या "कहाँ" आपके कार्य करने के तरीके को प्रभावित करता है? क्या आप बास्केटबॉल खेल में वैसा ही व्यवहार करते हैं जैसा आप मॉल में खरीदारी करने जाते समय करते हैं? संभावित हो। आप जहाँ हैं वही आकार देता है कि आप कैसे कार्य करते हैं।

क्या "कहाँ" प्रश्न आपको आकार देता है? क्या आप जहाँ बड़े हुए हैं उसका आप पर प्रभाव पड़ता है? मुझे याद है मेरा एक छात्र था जिसका नाम ज़ाचरी था। वह सचमुच एक महान बच्चा था। इससे पहले कि हम इज़राइल के लिए उड़ान भर रहे थे, हम शिकागो क्षेत्र से बाहर उड़ान भर रहे थे। हम इंडियाना में थे और शिकागो तक आये। हम तीन सप्ताह के लिए इज़राइल में अध्ययन करने के लिए इज़राइल जाने के लिए ओ'हारे से उड़ान भर रहे थे। हम जैच को लेने के लिए उत्तरी शिकागो गए। हम जैच को उठा रहे थे और वह भीतरी शहर का बच्चा था। उन्होंने कहा, "जाने से पहले मुझे फुटपाथ पर रुकना होगा।" इसलिए उसके पास कुछ फूल थे और वह फुटपाथ पर चला गया। हमें फुटपाथ मिला और उसने

फुटपाथ पर फूल रख दिए और मुझे नहीं पता कि क्या आप जानते हैं कि इसका क्या मतलब है। मुझे नहीं पता था कि इसका क्या मतलब है। इसका मतलब था कि एक 3 साल की लड़की थी जो तिपहिया साइकिल चला रही थी और दोनों तरफ से गैंगबैंगर्स हो गए और इस 3 साल की लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्होंने यादगार के तौर पर फुटपाथ पर फूल रखे। तो ऐसा था, "वाह ... यह भारी है।" हम इज़राइल जा रहे हैं, और हमने फूल गिरा दिये। ज़ैक विमान पर चढ़ गया और उसने इज़राइल के लिए उड़ान भरी। जब उन्होंने इज़राइल के लिए उड़ान भरी, तो उन्होंने वहां पहली परीक्षा दी क्योंकि आपको बाइबल के भूगोल पर परीक्षा देनी होती है, और उन्होंने सब कुछ विफल कर दिया। वह 30 और 40 का हो रहा था। मैं इस छात्र को वहां ले आता हूँ और वह भाग जाएगा

तो, अंततः, मैं उसे एक तरफ खींचता हूँ और कहता हूँ, "ज़ैक, क्या हो रहा है? हमें इस ग्रेड चीज़ को यहां नियंत्रण में रखना होगा अन्यथा, आप इस पूरी चीज़ को बेकार कर देंगे। तो फिर उसने मुझे उस लड़की की कहानी सुनाई जिसे गोली मार दी गई थी। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए हर तरह का सामान वापस लेकर आया। जब ज़ैक छोटा बच्चा था, तो वह एक घर में था और उसका भाई एक ड्रग डीलर था। उन्होंने कहा कि ये लोग घर में घुस आए और उन्हें यह देखना पड़ा कि उनके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी गई। तो यहाँ एक छोटा बच्चा अपने बड़े भाई को गोली मारकर हत्या करते हुए देख रहा है। उन्होंने कहा कि जब वह छोटी लड़की नीचे गई तो अचानक उनका बड़ा भाई वापस आ गया। उन्होंने सवाल किया, "क्या आप बाइबल के भूगोल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जब वह सारी चीज़ें वापस आएँगी?" इसने उसे पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। क्या ज़ैक के जीवन के "कहाँ" ने उस पर प्रभाव डाला?

अब आप उससे इनकार कर सकते हैं और कह सकते हैं कि आप उसे दोबारा कभी याद नहीं करना चाहेंगे। मैं आपको जो सुझाव देना चाहता हूँ वह यह है कि ऐसा करने का यह तरीका नहीं है। क्या आप ऐसी चीज़ें भूल सकते हैं? आप ऐसी चीज़ें नहीं भूल सकते। आपको उन यादों को अपने जीवन में शामिल करना होगा, आप इसे यूँ ही खारिज नहीं कर सकते और भूलने की कोशिश नहीं कर सकते। इसलिए "कहाँ" प्रश्न एक बहुत ही महत्वपूर्ण

अवधारणा है।

ओ. भूमि: योग्य नहीं [62:38-64:09]

अब ज़मीन का काम करते हैं. मैं यहां विभिन्न छंदों को हिट करना चाहता हूं और हम इसे जल्दी से पूरा करेंगे। वैसे, इस भूमि को क्या कहा जाता है? वादा किया भूमि। इज़राइल की भूमि को वादा की गई भूमि कहा जाता है, जाहिर तौर पर क्योंकि भगवान ने इब्राहीम, इसहाक, याकूब, आदि से इसका वादा किया था। व्यवस्थाविवरण अध्याय 9, श्लोक 4 में, यह कहा गया है, "जब तुम्हारे भगवान ने उन्हें तुम्हारे सामने से निकाल दिया है, तो मत करो।" अपने आप से कहो, 'यहोवा ने मुझे मेरी धार्मिकता के कारण इस भूमि पर कब्ज़ा करने के लिए यहाँ लाया है।'" परमेश्वर कह रहा है और मूसा उनसे कह रहा है, "जब तुम भूमि में जाओ, तो यह मत सोचो कि तुम गर्म हो। सामान और भगवान तुम्हें जमीन दे रहे हैं क्योंकि तुम बहुत अच्छे हो। नहीं, नहीं, नहीं। परमेश्वर तुम्हें भूमि इसलिए नहीं दे रहा है क्योंकि तुम बहुत धर्मी हो। क्या आप ऐसा कभी नहीं सोचते . " (श्लोक 4 जारी) "नहीं, यह इन राष्ट्रों की दुष्टता के कारण है कि प्रभु उन्हें तुम्हारे सामने से निकाल देगा।" परमेश्वर राष्ट्रों को बाहर क्यों निकालने जा रहा है? उनकी दुष्टता के कारण. क्या यह तुम्हारी धार्मिकता के कारण है? नहीं, ऐसा इसलिए नहीं है कि आप कितने अच्छे हैं, बल्कि इसलिए है क्योंकि वे कितने बुरे हैं। वैसे, जब तुम लोगों ने यहोशू की पुस्तक पढ़ी, तो क्या परमेश्वर ने कनानियों को वहाँ से निकाल दिया था? क्या यह कभी-कभी क्रूर था? परमेश्वर कहते हैं कि यह उनकी दुष्टता के कारण था। उस संस्कृति को अब उनकी दुष्टता के कारण आंका जा रहा है। यह तुम्हारी धार्मिकता के कारण नहीं है कि तुम्हें भूमि मिल रही है, यह उनकी दुष्टता के कारण है। यह आपकी योग्यता पर आधारित नहीं है और यह आपके प्रयास पर आधारित नहीं है।

पी. उपहार के रूप में भूमि [64:10-65:29]

यदि आप अध्याय 6, श्लोक 10 पर जाएँ और उसका अनुसरण करते हुए कहें, "जब तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें उस देश में ले आएगा, जिस ने तुम्हारे पूर्वजों इब्राहीम, इसहाक, और याकूब से तुम्हें देने की शपथ खाई थी - एक विशाल, समृद्ध भूमि वे नगर जो तुमने नहीं बनाये।" क्या तुमने वहाँ मोड़ देखा? तुम्हें बड़े-बड़े नगर मिलने वाले हैं, परन्तु तुमने उन

नगरों का निर्माण नहीं किया। (श्लोक 11 में जारी), "...घर सब प्रकार की अच्छी वस्तुओं से भरे हुए हैं जो तू ने नहीं दिए, कुएँ जो तू ने नहीं खोदे, और दाख की बारियां और जैतून के बाग तू ने नहीं लगाए - फिर जब तू खाकर तृप्त हो, तो सावधान रहना तुम यहोवा को मत भूलो, जो तुम्हें दासत्व के देश अर्थात् मिस्र देश से निकाल लाया है।" उनका वादा क्या होगा? यह एक अच्छी भूमि है. परमेश्वर उन्हें ऐसे शहर देने जा रहा है जिन्हें उन्होंने नहीं बनाया, जैतून के बाग जो उन्होंने नहीं लगाए, कुएँ जो उन्होंने नहीं खोदे। भगवान उन्हें ये सारी अच्छी चीजें उपहार के रूप में देने जा रहे हैं ।

जब वे खाते हैं और तृप्त हो जाते हैं, तो परमेश्वर कहते हैं, "संतुष्ट होने में सावधान रहो, कि तुम यह न भूल जाओ कि तुम कहाँ से आए हो? तुम मिस्र में दास थे और मैंने तुम्हें मिस्र से छुड़ाया।" क्या लोगों को अपनी गुलामी, अपना बंधन याद रखना चाहिए? उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे इसे एकीकृत करें, इसे समझें और इसे कभी न भूलें।

प्र. वादे के अनुसार भूमि [65:30-67:08]

यह वह भूमि थी जिसे उसने उनके पूर्वजों को देने की शपथ खाई थी। यह वादा किया हुआ देश है. परमेश्वर ने इब्राहीम, इसहाक और याकूब को वह भूमि देने का वादा किया था। अब परमेश्वर अपना वादा पूरा कर रहा है और वे वास्तव में वह वादा प्राप्त कर रहे हैं जो परमेश्वर ने इब्राहीम, इसहाक और याकूब से किया था। यह जीवन का सबसे बड़ा धोखा है। वचन बार-बार पितरों को दिया गया। क्या बाप-दादों को कोई ज़मीन मिली? नहीं, इब्राहीम ने अपनी पत्नी को दफनाने के लिए कब्र खरीदी थी। कब्ज़ा किसे मिलता है? वास्तव में ज़मीन किसे मिलती है? सन्तान। आपके कितने माता-पिता आपको वह चीज़ दे रहे हैं जो उनके पास कभी नहीं थी? क्या आपमें से कुछ लोगों ने ऐसा महसूस किया है? आपके माता-पिता ने आपको वह चीज़ें दीं जो उनके पास कभी नहीं थीं। मैं कॉलेज गया, मेरे पिता और माँ ने मुश्किल से हाई स्कूल पूरा किया। मैं कॉलेज गया और उन्होंने मेरे कॉलेज के लिए भुगतान नहीं किया। मुझे इसके लिए खुद भुगतान करना पड़ा, लेकिन उन्होंने मेरा समर्थन किया और जब मैं कॉलेज जा रहा था तो उन्होंने मुझे भोजन और रहने के लिए जगह दी। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कई बार माता-पिता अपने बच्चों को वह देने के लिए

त्याग करते हैं जो उनके पास कभी नहीं था? तो आपको यह चीज़ यहां मिलती है जहां वादा तो पिताओं के पास आता है, लेकिन वंशजों को वादे पर कब्ज़ा मिल जाता है।

अब, वैसे, जब वंशजों को यह मिलता है, तो क्या वंशज इसकी उतनी ही सराहना करते हैं, जितनी इसे देने वाले माता-पिता करते हैं? नहीं, माता-पिता इसे महत्व देते हैं, लेकिन बच्चे इसे हल्के में लेते हैं। वे भूल जाते हैं कि वे कहाँ से आये हैं।

एक परंपरा में भाग लेने के रूप में आर. भूमि [67:09-68:18]

एक परंपरा में भाग लेना: यहां माता-पिता और बच्चों के बीच एक अंतर-पीढ़ीगत चीज़ है जो चली आ रही है। इसे कहते हैं परंपरा. अब अगर मैं कहूँ, "परंपरा", तो आपके मन में क्या आता है? *छत पर फ़िडलर*। मैंने यह पहले भी कहा है, और मैं इसे फिर से कहूंगा। जब आप गॉर्डन कॉलेज से स्नातक होते हैं, तो यहां हर कोई जो गॉर्डन कॉलेज से स्नातक होने जा रहा है, आपको *द फ़िडलर ऑन द रूफ अवश्य देखनी चाहिए*। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो डॉ. विल्सन इन एयर गन चीजों में से एक के साथ वहां मौजूद रहेंगे। जब आप अपना डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए जाते हैं, तो वह आपको एक पत्र थमा देगा। इसलिए स्नातक होने से पहले बेहतर होगा कि आप *द फ़िडलर ऑन द रूफ* देखें। वह जानता है कि किसने देखा है और किसने नहीं देखा है। मैं बस मजाक कर रहा हूँ, लेकिन मैं फिल्म की अनुशंसा करता हूँ, यह उन अभूतपूर्व अच्छी फिल्मों में से एक है। परंपराएं माता-पिता से बच्चों तक पहुंचती हैं और परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती रहती है। वैसे, क्या हमारी संस्कृति में परंपरा आमतौर पर एक नकारात्मक चीज़ है? हम परंपरा से बाहर निकलना चाहते हैं। यहां आप इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते हुए देख सकते हैं। भूमि एक उपहार है जो

एस को दी गई है। भूमि उपहार के रूप में [68:19-70:30]

अब, भूमि एक उपहार है। हमने ऐसा अब तक लगभग दस बार कहा है। भूमि एक उपहार है, भगवान भूमि दे रहे हैं। वे इसके लायक नहीं हैं। परमेश्वर उन्हें भूमि उपहार के रूप में दे रहा है। यह उपहार उन्हें प्यार करने में भगवान की पसंद को दर्शाता है। मुझे केवल अध्याय 7, श्लोक 7 पढ़ने दीजिए, "प्रभु ने तुम पर स्नेह करके तुम्हें नहीं चुना..." क्या

ईश्वर किसी से प्रेम करना चुनता है? क्या आप किसी से प्यार करना चुन सकते हैं? क्या प्यार एक विकल्प है? “नहीं, यह सिर्फ रसायन विज्ञान है। मैं इस व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमता हूँ और...” नहीं, नहीं, नहीं। क्या प्यार एक विकल्प है? यहाँ हमें यह बात मिलती है, “प्रभु ने आप पर अपना स्नेह प्रदर्शित नहीं किया और आपको इसलिए नहीं चुना क्योंकि आप अन्य लोगों की तुलना में अधिक थे, क्योंकि आप सभी लोगों में सबसे कम थे। परन्तु यह इसलिये हुआ कि प्रभु ने तुम से प्रेम किया, और अपने पुरखाओं से खाई हुई शपथ पूरी की, कि वह तुम को बलवन्त हाथ से निकाल लाया, और दासत्व की भूमि से छुड़ा लिया...” परमेश्वर ने तुम्हें चुना और यही महत्वपूर्ण और विशेष है। यह एक अच्छी भूमि है; यह दूध और मधु की धारा बहने वाली भूमि है। हमने वह वाक्यांश कहा है, “दूध और शहद।” यह सचमुच एक प्रसिद्ध मुहावरा है। “दूध” संभवतः किस प्रकार का दूध है? बकरी का दूध। शहद संभवतः शहद ही है, लेकिन संभवतः यह मैश किया हुआ खजूर का जैम भी है। यह एक ऐसी भूमि है जो भरी हुई है। यह नगरों से भरा हुआ है, यह कुओं से भरा हुआ है, और यह बगीचों से भरा हुआ है। उन्होंने नगर नहीं बसाए, उन्होंने कुएँ नहीं खोदे, और उन्होंने बगीचे नहीं लगाए। परमेश्वर उन्हें यह भरी हुई भूमि देने जा रहा है। भूमि एक संतोषजनक भूमि होने जा रही है। क्या समस्या होने वाली है? जब वे खाते हैं और संतुष्ट होते हैं, तो उन्हें क्या समस्या है? वे प्रभु, अपने ईश्वर को भूलने जा रहे हैं और यह एक बड़ी समस्या होने जा रही है। अतः वह भूमि संतोषजनक भूमि है और मूसा उस पर दृष्टि कर रहा है।

क्या आप मूसा को माउंट नीबो पर लार टपकाते हुए और बस यह कहते हुए देख सकते हैं, “ओह, काश मैं बस भूमि में जा पाता। मैं 40 वर्षों से रेगिस्तान में हूँ। इससे बदबू आती है। और यहाँ ये सभी लोग वे हैं जो इन अंगूरों, जैतूनों और पिज्जा को खाने जा रहे हैं।

टी. स्थान भगवान अपना नाम रखने जा रहा है [70:31-71:54]

सी अध्याय 12 वास्तव में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। असल में अध्याय 12, आप घंटों तक बात कर सकते हैं। परमेश्वर इस्राएल से कहता है, जबकि मूसा यहाँ नीबो पर्वत पर है। मूसा ने उन्हें बताया कि परमेश्वर इस्राएल में एक स्थान चुनने जा रहा है और परमेश्वर उस स्थान पर अपना नाम रखने जा रहा है। तो अध्याय 12, श्लोक 5 इस विषय पर एक

क्लासिक है। परन्तु पूरा अध्याय 12 यह कहता है, "परन्तु तुम्हें वह स्थान ढूंढना है जिसे तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे सब गोत्रों में से अपना नाम निवास करने के लिये चुन लेगा..." परमेश्वर इस्राएल में अपना नाम कहां रखेगा और वहां हमेशा के लिए निवास करेगा ? वह कौन सी जगह होगी? मूलतः यह शिलोह गया। तम्बू शीलो तक गया, परन्तु क्या वह वहीं ठहरा? नहीं, डेविड इसे यरूशलेम में लाने जा रहा है। यरूशलेम अब दाऊद का नगर और हमारे परमेश्वर का नगर बनने जा रहा है। परमेश्वर अपना नाम यरूशलेम में रखेगा और मन्दिर यरूशलेम में बनाया जाएगा। परमेश्वर वहां अपना नाम रखेगा। व्यवस्थाविवरण 12:5 में आपके पास इज़राइल की पूजा का केंद्रीकरण है जो यह दर्शाता है कि डेविड के समय में यरूशलेम के साथ यहां क्या होने वाला था। आज तक यरूशलेम को पवित्र नगर माना जाता है और वहाँ प्रभु की उपस्थिति रहती है।

यू. प्रमुख समस्या: भूल जाना [71:55- 74:55]

अब प्रमुख समस्याएँ: इज़राइल के लिए एक बड़ी समस्या जिसके बारे में मूसा ने उन्हें चेतावनी दी है वह मूल रूप से यह भूल जाना है कि वे कहाँ से आए हैं। इज़राइल कहाँ से आया? वे मिस्र में गुलाम थे और मूसा ने उन्हें चेतावनी देते हुए कहा, "मत भूलो कि तुम कहाँ से आए हो।"

क्या आपमें से कुछ लोगों के पास आप कहां से आए हैं इसकी यादें हैं जिन्हें आप भूलना पसंद करेंगे? मैंने आपको बताया था कि मेरा बेटा अफगानिस्तान से वापस आ गया है। जब वह अफगानिस्तान में था, तो उस पर हर दिन गोली चलाई जाती थी, उसने दोस्तों को गोली मारते देखा था, उसके कुछ दोस्तों को उड़ा दिया गया था। रेज़ , उसका एक दोस्त जिसे उसने प्रशिक्षित किया था, हवा में सौ फीट ऊपर उड़ गया और नीचे गिर गया और उसके शरीर की लगभग हर हड्डी टूट गई। वह रहता था, समस्या यह है कि मेरा बेटा कहता है कि जब वह जाता है और उससे बात करता है, तो वह कहता है, " रेज , रेज " और रेज वहां नहीं है, क्या आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? जब वह 100 फीट ऊपर हवा में उछला, तो उसके सिर में कुछ हुआ और वह अब रेज नहीं रहा। यदि आप 100 फीट गिरे, यानी 10 मंजिल, तो क्या गिरने का कोई लंबा रास्ता तय करना है? रेज, रेज नहीं है अब,

उसका बहुत बुरी तरह से पर्दाफाश किया गया है। हालाँकि वह अभी भी जीवित है।

मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मेरा बेटा वापस आ गया और वह ये सारी कहानियाँ सुना रहा था, और हम कह रहे थे, "आपको ये सभी बातें लिखनी होंगी।" मुझे वास्तव में वह पहला मिल गया है जो उसने अब लिखा है। उन्होंने इसे नॉर्थ शोर पर एक अंग्रेजी असाइनमेंट में बदल दिया। उनकी मुझसे टिप्पणी थी, "पिताजी, मैंने ऐसी चीजें देखी हैं जो किसी भी इंसान को कभी नहीं देखनी चाहिए। मैं इसे भूलना चाहता हूँ। मैं इसे दोबारा कभी याद नहीं करना चाहता, मैं बस इसे भूलने की कोशिश करना चाहता हूँ।"

सवाल यह है कि क्या कुछ चीजें भूल जाना अच्छा है? मुझे लगता है यह हो सकता है। भूलने में क्या समस्या है? जब आप भूलने की कोशिश करते हैं, तो क्या यह अभी भी आप में है? होता यह है कि इसे एकीकृत कर दिया जाता है। लेकिन क्या आप इस तरह की चीजें भूल सकते हैं? आप उसे भूल नहीं सकते। यदि आप इसे एकीकृत नहीं करते हैं तो क्या यह निश्चित समय पर पॉप अप होगा? मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या इन चीजों के बारे में बात करना और इन चीजों को अस्वीकार करने और सब कुछ भूल जाने के बजाय इन चीजों को एकीकृत करना वास्तव में अच्छा है। आप जो हैं उसमें उन्हें एकीकृत करें। क्या यह उसका हिस्सा है जो वह अब है? यह अब उसके इतिहास का हिस्सा है और उसे इस पर अपना अधिकार रखना होगा क्योंकि यह भयानक है। मैं नहीं जानता कि आप यह सब कैसे करते हैं, लेकिन मैं जानता हूँ कि इसे दबाने और भूल जाने से आपको कोई फायदा नहीं होगा। आपको इसे एकीकृत करना होगा। हम सभी के पास अपने अतीत के कुछ हिस्से होते हैं जिन्हें हम चाहते हैं कि हम भूल जाएं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि भूलने के प्रति सावधान रहें। याद रखना और एकीकृत करना शायद आगे बढ़ने का रास्ता है, यह एक अधिक परिपक्व व्यक्ति की ओर ले जाएगा। यदि आप भूल जाते हैं, तो आपको यह सचमुच अजीब चीजें घटित होती दिखेंगी। चलो उससे दूर हो जाओ।

वी. याद रखना [74:56-78:23]

याद रखना: भगवान उनसे कहते हैं कि उन्हें क्या याद रखना है? बंधन का घर. वे मिस्र में गुलाम थे। याद रखें कि आप गुलाम थे. यह उनके लिए एक बुरी स्मृति है, लेकिन

भगवान कहते हैं, "याद रखो कि तुम गुलाम थे क्योंकि मैंने तुम्हें उस गुलामी से बचाया था।" याद रखें: आप मिस्र से बाहर आये थे। आपने लाल सागर पार किया। शक्तिशाली हाथ और फैली हुई भुजा से परमेश्वर के उद्धार को याद रखें। क्या आपको वह कई बार पढ़ना याद है? परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हें बलवन्त हाथ और बढ़ाई हुई भुजा के द्वारा बाहर ले आया।" ईश्वर उद्धारकर्ता है और ईश्वर वह स्थान है जहां उन्हें अपना विश्वास और भरोसा रखना चाहिए। परमेश्वर ही वह है जिसने उन्हें मिस्र और उनकी गुलामी और बंधन से छुड़ाया। भगवान उन्हें याद करने के लिए कहते हैं।

वैसे, क्या कोई हिब्रू शब्द जानता है? क्या यहां ज़ाचरी नाम का कोई व्यक्ति है? ज़ाचारी या *ज़कार* का अर्थ है "याद रखना।" मेरा एक बेटा ज़ाचरी है और उसका नाम यही रखा गया था और वह अपने नाम के प्रति सच्चा है।

फिर याद करना ही प्रशंसा का आधार है। क्या तुम लोगों को वे बातें याद हैं जब तुम परमेश्वर से मिले थे और परमेश्वर ने तुम्हारे जीवन में अद्भुत कार्य किये थे? वह स्मृति फिर आपको वापस आने और भगवान की स्तुति करने के लिए प्रेरित करती है। अतः स्मृति ईश्वर की स्तुति करने का आधार है। उन्हें याद रखना था कि उन्हें मिस्र से बाहर लाया गया था, शक्तिशाली हाथ, लाल सागर विभाजित था, भगवान ने स्वर्ग से मन्ना प्रदान किया था, भगवान उन्हें माउंट सिनाई में लाए थे। माउंट सिनाई में, भगवान ने एक निश्चित अर्थ में, इज़राइल से विवाह किया। सिनाई पर्वत पर, परमेश्वर ने इस्राएल को अपनी वाचा दी और कहने को तो परमेश्वर ने उनसे विवाह किया। फिर भगवान उन्हें 40 साल के जंगल में भटकने के लिए ले गए, जो एक हनीमून की तरह था। अब परमेश्वर उन्हें देश में ले जा रहा है। भगवान अपनी दुल्हन को उस देश में घर ला रहे हैं जिसका वादा उन्होंने उनसे किया था और वह चाहते हैं कि वे इसे याद रखें। महिमा का आधार है याद।

वैसे, जब आप स्तोत्र की पुस्तक में जाते हैं, तो क्या इसमें इज़राइल के इतिहास की सभी प्रकार की यादें होती हैं? भजन 78, पूरी बात उस बात की याद है जो आप लोग अभी पढ़ रहे हैं। भजन 136, "क्योंकि उसका अटल प्रेम सदा बना रहता है।" स्तुति का आधार, स्तोत्र की पूरी किताब इसी पर आधारित है।

तो चिंतनशील प्रश्न: आप कहाँ रहते हैं? और तुम्हें क्या याद है? क्या आपकी याददाश्त प्रशंसा का आधार बनती है? आप जिस "कहां" में रहते हैं वहां ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव कैसे करते हैं? क्या आपको गॉर्डन कॉलेज में ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव होता है? जब आप लेन में हों? जब आप विभिन्न स्थानों पर हों? कक्षा में आने से ठीक पहले, मैं फ्रॉस्ट हॉल में कुछ सीढ़ियाँ उतर रहा था और जैसे ही मैं सीढ़ियाँ उतर रहा था, ब्रूस नाम का एक आदमी आया। और जैसे ही ब्रूस ने मुझे सीढ़ियों पर बुलाया, सवाल: क्या इससे भगवान के संबंध में ब्रूस के बारे में सोचने के लिए भगवान मेरे दिमाग में आए? हां, ब्रूस को कैंसर हो गया है। प्रश्न: क्या मुझे उसके लिए प्रार्थना करने की ज़रूरत है? मुझे उसके लिए प्रार्थना करने की ज़रूरत है। तो मैं ब्रूस को देखता हूँ और यह मुझे भगवान के सिंहासन पर बुलाता है और कहता हूँ, "भगवान, दयालु बनो।" ठीक है? तो आप जहां रहते हैं वहां ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करें।

व्यवस्थाविवरण और जेईडीपी स्रोत सिद्धांत के लेखक के रूप में डब्ल्यू. मूसा [78:24-81:45]

अब , आइए व्यवस्थाविवरण के लेखन में मूसा को देखें। हम इन दो चीजों को, जिनके बारे में हमने ज़मीन के बारे में बात की है, अस्तित्वगत दृष्टि से, अर्थ की दृष्टि से जोड़ने जा रहे हैं। यह अब और अधिक अकादमिक होने जा रहा है। व्यवस्थाविवरण में मूसा, व्यवस्थाविवरण की पुस्तक किसने लिखी? हमने देखा कि व्यवस्थाविवरण वाचा का नवीनीकरण है। मूसा यहोशू को कमान सौंप रहा है। वाचा का नवीनीकरण किया जा रहा है, यहोशू को उन चीजों की याद दिलाई जा रही है जिनके लिए वह जिम्मेदार है और वाचा। क्या किसी को यह याद है: पुराना जेईडीपी सिद्धांत? इस जेईडीपी सिद्धांत में व्यवस्थाविवरण बड़ा है। जेईडीपी सिद्धांत कहता है कि मूसा ने पेंटाटेच नहीं लिखा, बल्कि आपके पास एक "जे" लेखक था जिसे यहोवा नाम पसंद था इसलिए उसने यहोवा या यहोवा के साथ लिखा और इसलिए उन्होंने इसे "जे दस्तावेज़" कहा। उन्होंने लगभग 850 ईसा पूर्व लिखा, जो डेविड के समय के लगभग 150 वर्ष बाद था। तो यह मूसा के चले जाने के बहुत बाद की बात है, मूसा के जाने के 500 वर्ष बाद। "जे" लेखक के बाद... आपके पास "ई"

लेखक था और उसने पेंटाटेच का हिस्सा लिखा था... (इस तरह आलोचक देखते हैं कि बाइबिल को एक साथ रखा गया था)। "ई" लेखक ने एलोहिम नाम से लिखा। उसे एलोहीम नाम पसंद आया। वह उस नाम का पक्षधर था, इसलिए वह आमतौर पर भगवान को एलोहीम नाम से बुलाता है। वह लगभग 750 ई.पू. लिखते हैं। अब क्या होता है कि "जे" और "ई" को एक साथ "जेई दस्तावेज़" में डाल दिया जाता है और ये दो दस्तावेज़ स्रोत दस्तावेज़ होते हैं।

तब, व्यवस्थाविवरण अपने आप में खड़ा है। व्यवस्थाविवरण लगभग 620 या 612 ईसा पूर्व का है और यह योशियाह का स्मरण है। राजा योशियाह को मंदिर में कानून की किताब "मिलती" है, लेकिन हर कोई जानता है कि उसे कानून की किताब "नहीं मिली"। योशियाह के पास मूसा के नाम से लिखी हुई व्यवस्था की पुस्तक थी। तो इसे ही वे "पवित्र धोखाधड़ी" कहते हैं। दूसरे शब्दों में, योशियाह अच्छे सुधारात्मक कार्य करना चाहता था, वह सुधार करना चाहता था और लोगों को ईश्वर के पास वापस ले जाना चाहता था और इसलिए उसने जो किया वह मूसा के नाम पर धोखाधड़ी थी। तो वह कहते हैं, "हम यह दस्तावेज़ लिखने जा रहे हैं। हम इस पर ऐसे हस्ताक्षर करने जा रहे हैं जैसे यह मूसा का दस्तावेज़ था। हम कानून की इस किताब को ढूँढने जा रहे हैं।" योशियाह अपने समय में सुधार करने जा रहा है और लोगों को प्रभु के पास वापस लाएगा। तो यहीं से व्यवस्थाविवरण की पुस्तक आई। वे इसे "पवित्र धोखाधड़ी" कहते हैं। क्या आप देख सकते हैं इसका क्या मतलब है? योशियाह ने व्यवस्थाविवरण की यह पुस्तक लिखी।

अब, वैसे, क्या बाइबल ऐसा कहती है? बाइबल कहती है कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक कौन लिख रहा है? मूसा. तो क्या मूसा वहां लिख रहा है और बात कर रहा है। वैसे, क्या कोई बाहरी सबूत है जो इस जेईडीपी का समर्थन करता है? क्या इनमें से किसी भी स्रोत का कोई पुरातात्विक साक्ष्य है? तथ्य की बात के रूप में, एक टुकड़ा नहीं, कुछ पुरातात्विक साक्ष्य जैसे "पी" पुरोहित लेखक, 450 ईसा पूर्व, हमने पाया कि संख्या 6 में, हमें 700 ईसा पूर्व, इससे 300 साल पहले का एक पुरोहिती दस्तावेज़ मिला है। तो हमें वास्तव में पुरातात्विक साक्ष्य मिले हैं जो इस सिद्धांत का खंडन करते हैं। तो मूल रूप से 19वीं सदी से

20^{वीं} सदी में आने वाले आलोचकों ने कहा कि पेंटाटेच का निर्माण वास्तव में इसी तरह हुआ था और यह वास्तव में मूसा नहीं था जिसने पेंटाटेच लिखा था, बल्कि ये "पवित्र" थे "धोखाधड़ी" जो मूसा के नाम पर लिखी गई है।

X. व्यवस्थाविवरण और हिती संधियाँ [81:46-92:12]

अब, क्या हमें उस दस्तावेज़ के बीच अंतर बताने में सक्षम होना चाहिए जो 620 ईसा पूर्व में लिखा गया था और मूसा जो लगभग 1200 या 1400 ईसा पूर्व में लिखा गया था। के बीच लगभग 600 या 800 वर्ष का अन्तर है। क्या दस्तावेज़ के प्रकार 600 या 800 वर्षों में बदलते हैं? क्या आपके द्वारा उपयोग किया जाने वाला प्रारूप 800 वर्षों में बदल जाता है? खैर इसे जांचें, वे कहते हैं कि योशियाह को कानून की किताब मिल गई है, और यह वही है जो 2 इतिहास 34:33 कहता है, योशियाह को कानून की किताब, व्यवस्थाविवरण मिली। बाइबल यही कहती है, लेकिन आलोचक कहते हैं, "नहीं, योशियाह ने इसे लिखा है।"

अब, हिती संधियाँ... चलो संधियों के बारे में बात करते हैं। हमें हिती संधियाँ मिली हैं। हिती संधियाँ कब से हैं? 1200 ई.पू. क्या यह मूसा के समय के बहुत करीब है? यदि आप देर की तारीख लेते हैं, तो वह मूसा के समय से ही है। तो हिती संधियाँ, और संधियाँ जो इस काल से आती हैं, मूसा के समय से ही हैं।

इस संधि प्रपत्र में एक **प्रस्तावना** है। प्रस्तावना क्या है? प्रस्तावना कहती है, "मैं लुगल हूँ जिगाज़ी। मैं अराम का राजा हूँ और मैं महान राजा हूँ। मैं समुद्र से समुद्र तक शासन करता हूँ और मैं बड़ा आदमी हूँ।" तो प्रस्तावना बताती है कि राजा कौन है और उसका डोमेन क्या है। प्रस्तावना में उस राजा का नाम बताया गया है जो यह दस्तावेज़ बनाने वाला है।

इन संधियों का अगला भाग ऐतिहासिक प्रस्तावना है। ऐतिहासिक **प्रस्तावना** राजा के परोपकारों को बताती है। इसमें कहा गया है, "मैं महान राजा हूँ और मैंने आपके पिता की मदद की थी जब एक बार उन्हें पानी की जरूरत थी और मैंने उनकी मदद की थी। एक शेर ने उस पर हमला कर दिया और मैंने शेर को मार डाला। उसका खाना खत्म हो गया और मैंने उसके बच्चों को खाना दिया। इसलिए मैं अच्छा राजा हूँ।" तो ऐतिहासिक प्रस्तावना

राजा की उदारता के बारे में बताती है; राजा जो अच्छे, अद्भुत, दयालु कार्य करता है। वैसे, जब राजा आपको बताना शुरू करता है कि वह कितना दयालु और अच्छा है, तो आगे क्या होने वाला है? क्या यह कोई सेटअप है? यह एक सेटअप है।

अतः आपको आगे क्या मिलेगा यह **शर्तें हैं**। राजा कहता है, “अरे, चूँकि मैं वास्तव में तुम्हारे प्रति दयालु और अच्छा रहा हूँ, इसलिए तुम्हें मेरे कानून का पालन करना होगा। मेरा पहला कानून क्या है? आपको क्या भुगतान करना होगा? कर। वैसे, मैं आप सभी को यह कहते हुए सुनना चाहता हूँ कि, आपको क्या भुगतान करना होगा? कर। और वैसे, क्या आप लोग जीवन भर कर चुकाते रहेंगे क्योंकि हमने आपकी पीठ पर 15 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज लाद दिया है। मैं मर जाऊंगा। मैं गंभीर हूँ, जब मैं आप लोगों और अपने बच्चों को देखता हूँ, तो बस देखता हूँ और मेरे कंधे झुक जाते हैं। यह अच्छा है कि आप लोग नहीं जानते कि आपके साथ कितनी बुरी तरह से खिलवाड़ हुआ है। ये वाकई बहुत बुरा है। मुझे यहाँ से निकलने दो। शर्तें: राजा क्या चाहता है? शर्तें. "मुझे पैसे दो, मेरे कानूनों का पालन करो, और मेरा कानून सुनो।" आप जानते हैं, जब आप सड़क पर जाते हैं तो आपको ट्रेफिक टोल चुकाना पड़ता है, आपको कर चुकाना पड़ता है, आपको आज्ञाकारी बनना पड़ता है, आपको मेरे प्रति वफादार रहना पड़ता है, आपको ये सब करना पड़ता है चीज़ें। राजा की अपनी शर्तें होती हैं।

अब, जब आपके पास कानूनी अनुबंध है, तो क्या आपके पास **गवाह होने चाहिए**? लोग आज क्या अनुबंध बनाते हैं? शादी। किसी विवाह में, क्या आपको विवाह के गवाह होने चाहिए? हाँ। तो गवाह हैं। यह सचमुच बहुत अच्छा है। बाइबल में ऐसे गवाह होंगे जैसे जब आपकी शादी होती है। दरअसल, जब मेरे बेटे की शादी हुई तो मैंने एक शादी की। इसलिए, मुझे एक मंत्री के रूप में गवाहों में से एक के रूप में हस्ताक्षर करना पड़ा। भगवान किसे अपना गवाह बनाने जा रहे हैं? परमेश्वर स्वर्ग और पृथ्वी को साक्षी के रूप में बुलाता है। यह वास्तव में एक अच्छी बात है, क्योंकि ऐसा कोई नहीं है जो ईश्वर का गवाह बन सके, इसलिए वह स्वर्ग और पृथ्वी को, पहाड़ों और उस तरह की चीज़ों को अपने विरुद्ध गवाही देने के लिए बुलाता है।

वाचा के अंत में, आशीर्वाद **और शाप हैं**। यदि तुम आज्ञा मानो तो आशीर्वाद, और यदि तुम न मानो तो शाप। अब हम यहां बदलाव करना चाहते हैं, ये हिती संधियां हैं। 1200 ईसा पूर्व, ठीक मूसा के समय के आसपास। इसकी जाँच करें: असीरियन संधियाँ किस समय से चली आ रही हैं? 700 ई.पू. क्या यह योशियाह के समय के बहुत करीब है? असीरियन क्रूर थे। उन्होंने भय से शासन किया। उदाहरण के लिए, आपने उनके किसी शहर में प्रवेश किया, उनके प्रवेश द्वार पर खोपड़ियों का एक पिरामिड था। वह गैर-मौखिक संदेश क्या है जिसे संप्रेषित करने का प्रयास किया जा रहा था? यदि तुम उनकी अवज्ञा करते हो तो तुम्हारा सिर कहाँ जाता है? अब, वैसे, क्या यह काफी ठोस तर्क है? हाँ।

मैं ब्रिटिश संग्रहालय में रहा हूँ। यदि आप कभी लंदन जाएं, तो आप ब्रिटिश संग्रहालय जाना चाहेंगे। आप ब्रिटिश संग्रहालय में जाते हैं, और वहां सबसे पहली चीज़ (यह अविश्वसनीय है), आपके पास रोसेटा स्टोन है। कंप्यूटर रोसेटा स्टोन पर नहीं, उनके पास वास्तव में असली रोसेटा स्टोन है। यदि आप आगे बढ़ते हैं और आपको असीरियन साम्राज्य दिखाई देता है। आप अशूर साम्राज्य की कुछ चीजें देखते हैं और आप एक काठ को उस तरह चिपका हुआ देखते हैं और आप एक इंसान को काठ पर चढ़ा हुआ, लहराते हुए देखते हैं और आप देखते हैं कि काठ उनके बीच से चला जाता है। प्रश्न: क्या यह अच्छा है? वह कौन सा संदेश है जो संप्रेषित करने का प्रयास किया जा रहा है? “यदि आप हमारे साथ खिलवाड़ करते हैं, तो आपका अंत क्या होगा? हमारा थोड़ा सा दांव बाकी है ना? अब आप दांव पर हैं।” आप यह कैसे जानते हैं? जब योना को बताया जाता है, तो भगवान कहते हैं, “जोना, मैं चाहता हूँ कि तुम असीरिया से नीनवे जाओ, नीनवे जाओ, योना।” योना क्या कहता है? “मुझे ऐसा नहीं लगता।” परमेश्वर उसे क्या सन्देश देता है? “नीनवे के लोगों से पश्चाताप करने के लिए कहो।” योना कहता है, “हाँ, ठीक है, मैं अपना सिर ढेर में नहीं चाहता, भगवान। मैं यहां से बाहर हूँ, मैं कुछ मछलियां ढूँढने जा रहा हूँ और सवारी करूंगा।

असीरियन संधि, यहाँ बताया गया है कि संधि कैसे चलती है। दोनों संधियों के अलग-अलग रूप हैं। असीरियन संधि योशियाह के समय से आती है, 700, योशियाह 620 ईसा पूर्व। तो वह योशियाह का समय है, यह मूसा का समय है। दोनों रूप अलग-अलग रूप हैं,

दोनों की एक प्रस्तावना है। ऐतिहासिक प्रस्तावना, हिती संधि की एक ऐतिहासिक प्रस्तावना है, जो राजा के सभी परोपकारों के बारे में बताती है। असीरियन संधि की कोई ऐतिहासिक प्रस्तावना नहीं है। असीरियन संधि की कोई ऐतिहासिक प्रस्तावना क्यों नहीं है? क्योंकि वे उन उपकारों का वर्णन नहीं करते जो उन्होंने किए, क्योंकि उन्होंने लोगों को आतंकित किया। इसलिए असीरियन संधि में कोई ऐतिहासिक प्रस्तावना नहीं है। फिर तुम नीचे जाओ। शर्तें, दोनों संधियों में शर्तें हैं - कानून जो आपको राजा के लिए करने होंगे। साक्षी, दोनों संधियों के साक्षी हैं। फिर इसे जांचें: आशीर्वाद। हिती संधि में आशीर्वाद है, लेकिन असीरियन संधि में कोई आशीर्वाद नहीं है। वैसे, क्या इसका कोई मतलब है? असीरियन क्या हैं? वे क्रूर हैं। वे कहते हैं, “अरे, तुम मेरी बात मानो, मैं तुम्हें आशीर्वाद नहीं दूँगा। तुम मेरी आज्ञा मानने के योग्य हो, तुम्हें बस मेरी आज्ञा माननी होगी। मैं तुम्हें आशीर्वाद नहीं दूँगा।” लेकिन उनके पास क्या है? इसके बजाय, उनके पास श्राप हैं। दोनों को श्राप है।

अब मैं आपसे यह पूछता हूँ: यदि आप यह बताने जा रहे हैं कि कोई संधि 1200 ईसा पूर्व में लिखी गई थी या 700 ईसा पूर्व में, तो इन दस्तावेजों को अलग करने के लिए आप किन दो स्थानों पर गौर करेंगे? यदि इसकी कोई ऐतिहासिक प्रस्तावना है, तो यह जल्दी है या देर से? जल्दी। यदि इसमें ऐतिहासिक प्रस्तावना का अभाव है तो देर हो चुकी है। अगर इसमें आशीर्वाद है, तो यह जल्दी है। यदि इसमें कोई आशीर्वाद नहीं है, तो देर हो चुकी है।

व्यवस्थाविवरण की पुस्तक: इसकी जाँच करें--क्या व्यवस्थाविवरण की कोई प्रस्तावना है? हाँ ऐसा होता है। अध्याय एक भगवान स्वयं को महान राजा के रूप में पहचानते हैं। भगवान है, महान राजा। ऐतिहासिक प्रस्तावना, अध्याय एक से अध्याय तीन तक, भगवान उन सभी परोपकारी कार्यों के बारे में बताते हैं जो उन्होंने अपने लोगों के लिए किए हैं। क्या ईश्वर उनमें से कई चीजों को सूचीबद्ध करता है, उन्हें मिस्र से बाहर लाना, उनके लिए स्वर्ग से मन्ना प्रदान करना, खाने के लिए बटेर प्रदान करना और इस तरह की चीजें? तो एक ऐतिहासिक प्रस्तावना है। क्या व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में कुछ शर्तें हैं? सामान्य शर्तें हैं, दस आज्ञाएँ, प्रभु अपने ईश्वर से प्रेम करो। विशिष्ट शर्तें भी हैं, और यह हिती संधि को "टी" पर फिट बैठती हैं। वैसे, गॉर्डन कॉनवेल सेमिनरी में एक व्यक्ति है, उसका

नाम मेरेडिथ क्लाइन है, वह वह व्यक्ति है जिसने इन दो संधि रूपों की तुलना की और दिखाया कि वे पूरी तरह से अलग हैं, कम से कम इन दो स्थानों पर वे अलग हैं। उन दोनों के पास गवाह हैं, व्यवस्थाविवरण के पास गवाह हैं। प्रश्न: क्या व्यवस्थाविवरण में आशीर्वाद और शाप दोनों हैं? हाँ, ऐसा होता है, इसमें आशीर्वाद है और इसकी एक ऐतिहासिक प्रस्तावना है। इसलिए व्यवस्थाविवरण, क्या यह 700 या 1200 ईसा पूर्व में लिखा गया था? 1200 ई.पू. क्या आप तर्क देख सकते हैं? ये दोनों दस्तावेज़ रूप ऐतिहासिक प्रस्तावना और आशीर्वाद में भिन्न हैं। व्यवस्थाविवरण में एक ऐतिहासिक प्रस्तावना और आशीर्वाद है, इसलिए यह 1200 ईसा पूर्व के दस्तावेज़ के साथ बिल्कुल फिट बैठता है जो मूसा के समय से है न कि योशियाह के समय से। क्या यह एक मजबूत तर्क है? यह एक मजबूत तर्क है।

अब सवाल यह है कि क्या आलोचक इसका तोड़ निकाल पाएंगे? हाँ, क्योंकि आलोचक हर चीज़ को अलग-अलग करने में सक्षम होंगे, लेकिन व्यवस्थाविवरण मूसा के समय से होने के लिए यह वास्तव में एक बहुत मजबूत तर्क है।

अब सामान्य शर्तें और इसके साथ ही हम इसे छोड़ देंगे। अगली बार मैं तुम्हें दस आज्ञाएँ सिखाऊँगा, और तुम्हें इसके लिए पसीना भी नहीं बहाना पड़ेगा, तुम दस आज्ञाएँ जान जाओगे, तुम सभी दस आज्ञाएँ वैसे ही जान लोगे। तो अगली बार हम दस आज्ञाओं के लिए तैयार होंगे। अगली बार जजेज और रूथ पढ़ें। धन्यवाद।

जोएल पर्किन्स द्वारा प्रतिलेखित
टेड हिल्डेब्रांट 2 द्वारा रफ संपादित